तुम क्या जानो, प्यार क्या होता है

मिनाक्षी बाले

BlueRose ONE.com DIY
Stories Matter
NewDelhi • London

BLUEROSE PUBLISHERS
India | U.K.

Copyright © Minakshi Bali 2024

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author. Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the publisher assumes no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

BlueRose Publishers takes no responsibility for any damages, losses, or liabilities that may arise from the use or misuse of the information, products, or services provided in this publication.

BlueRose ONE.com DIY
Stories Matter
NewDelhi • London

For permissions requests or inquiries regarding this publication, please contact:

BLUEROSE PUBLISHERS
www.BlueRoseONE.com
info@bluerosepublishers.com
+91 8882 898 898
+4407342408967

ISBN: 978-93-7018-431-2

First Edition: April 2025

BlueRose ONE.com
Stories Matter

प्रस्तावना

प्रिय पाठको,

यह कहानी मयूरी के जीवन की सत्य घटनाओ पर आधारित है... एक ऐसी युवती, जो जीवन के रंगीन सपनों में प्यार और अपनेपन में डुब जाती है। यह कहानी है उसकी पहली मोहब्बत की, जो एक मीठे अहसास के साथ शुरू होकर, विश्वासघात और कड़वाहट के गहरे घाव दे जाती है।

मयूरी की कहानी यहीं नहीं थमती। समाज के दबाव और एक स्थायी जीवन की चाह में, वह एक नए रिश्ते में बंधती है - विवाह के बंधन में। लेकिन, दुर्भाग्यवश, उसका यह दूसरा पड़ाव भी उसके लिए कठिनाइयों से भरा साबित होता है। पति का छल, उसे एक बार फिर अकेलेपन और निराशा के गहरे सागर में धकेल देता है।

यह पुस्तक मयूरी के संघर्ष की गाथा है, उसके विश्वास और हिम्मत की कहानी है। यह उन मुश्किल रास्तों का वर्णन है, जिनसे गुजरते हुए वह अपने आप को खोजती है, अपनी शक्ति को पहचानती है। इन मुश्किल हालातों से जूझते हुए, मयूरी अपने जीवन को सँवारने के लिए अथक प्रयास करती है, कड़ी मेहनत करती है, और अंततः सही रास्ते का चुनाव करती है। यह सिर्फ एक महिला की कहानी नहीं है, यह हर उस व्यक्ति की कहानी है, जो कभी प्यार में ठोकर खाता है, विश्वासघात

का शिकार होता है, और फिर भी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ता।

यह कहानी हमें यह भी सिखाती है कि जीवन में कितनी भी मुश्किलें आएं, अपने आप पर विश्वास रखना और आगे बढ़ते रहना ही सबसे बड़ी जीत है। मयूरी का यह सफर हमें यह भी सीखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी, सही निर्णय लेने और अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने से, सफलता और खुशी प्राप्त की जा सकती है।

क्या मयूरी अपने उतार -चढाव के जीवन में अंततः प्यार पा सकती है ? क्या उसका संघर्ष रंग लाएगा ? यह जानने के लिए पढ़िए मयूरी की रोमांचक कहानी ।

मुझे उम्मीद है कि मयूरी की यह कहानी आपको प्रेरणा देगी, आपको अपनी मुश्किलों का सामना करने की शक्ति प्रदान करेगी, और आपको यह समझाएगी की जीवन में कितनी भी कठिनाइयां आएं, अपने आप पर विश्वास रखना और आगे बढ़ते रहना ही सबसे बड़ी जीत है।

CONTENTS

प्रस्तावना	VII
1. आभार	11
2. एक नज़र का पहला प्यार	13
3. प्यार की परीक्षा	19
4. मयुरी की शादी	25
5. सोनिया की नई कहानी	27
6. मयूरी की अग्नि परीक्षा	37
7. मयूरी के सच्चे प्यार का सफर	43
8. पत्थर दिल से फूल बनना	53
9. आखरी मौड़	61

1. आभार

यह पुस्तक मेरे बच्चे प्रीति और सूरज (यश) बाले के अटूट सहयोग और कड़ी मेहनत के बिना संभव नहीं होती। मैं लेखन और प्रकाशन दोनों चरणों में उनकी मदद के लिए बहुत आभारी हूँ।

2. एक नज़र का पहला प्यार

मयुरी 15 साल की एक लडकी है जो अपने मम्मी पापा के साथ भोपाल शहर के पास कल्यानपुर गांव में रहती है। मयुरी स्वभाव से चुलबुली है, मयुरी अपने मम्मी पापा की लाडली बेटी है। उसके पापा खेती का काम करते थे और मम्मी घर का काम करके मयुरी का ध्यान रखती थी। मयुरी अक्सर गॉव के बच्चो के साथ गील्ली डंडा और कांच की गोटिया खेला करती थी । जब मयूरी की मम्मी उसे बुलाती थी, तो वह सहेली के साथ भाग जाया करती थी ओर अपनी मस्ती में ही मस्त रहतीं थी।

एक दिन अचानक मयुरी की मम्मी की तबीयत बिगड़ जाती है, अपनी माँ की ऐसी हालत देखकर मयूरी बड़ी गुमसुन रहने लगी और थोड़ी समझदार भी हो गई थी । रोज घर का काम करके स्कूल जाती थी, और मम्मी का ध्यान भी रखती थी। कुछ दिन बाद मयुरी की मम्मी को दिल का दौरा पड़ता है और वह भगवान के घर चली जाती है। मयुरी अकेली पड़ जाती है। मयूरी और मयुरी के पापा बहुत रोते है, ओर दोनों एक दूसरे को संभालते है।

उसी समय मयुरी के मामा मामी भोपाल से आते हैं ओर मयुरी को संभालते हैं, मयुरी मामी के गोद मे सर रखके रोती है, मयुरी की हीम्मत एकदम टूट जाती है, तभी मामा मयुरी के पापा से बोलते हैं की अब तुम

मयूरी की देखभाल कैसे करोंगे, मयुरी को अकेले घर पर भी नही छोड़ सकते। आप खेती का काम करोगे तो मयूरी को कोन संभालेगा। और अब मेरी बहन तो इस दुनिया में नहीं रही, इसलिए हम सोच रहे है की मयुरी को अपने घर ले जाते है, हमारी भी कोई औलाद नहीं है, तो हम मयुरी को हमारी बच्ची समझ के देखभाल करेंगे और मयुरी की पढ़ाई भी करवायेंगे। मयूरी के पापा बोलते है ठीक है, यहाॅ खेती बाड़ी है तो मैं कहीं जा नही सकता और मैं खेत मे जाऊंगा तो मयूरी का ध्यान कोन रखेगा इसलिए यही ठीक रहेगा की मयुरी मामी के साथ रहे। ये सुनकर मयूरी पापा के गले लगकर बहुत रोने लगती है।

मयुरी मामा मामी के साथ शहर आती है। धीरे-धीरे मयुरी मामा मामी के साथ घुलने मिलने लगती है, मामा मामी मयुरी का बहुत ध्यान रखते है, कुछ दिन बाद मयुरी स्कूल जाने लगी, वह ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती थी । मयुरी दिखने मे तेजस्वी और प्रभावशाली है, काले लंबे बाल, आंखे मृगनयनी जैसी, नाक तिखी, होंठ आकर्षक मानो अगर कीसी की नजर पड जाए तो हटती नहीं थी। मयूरी को नये नये तरीके के कपड़े पहने का बहुत शौक है, ओर उसका रहन सहन भी बहुत अच्छा था, मयूरी शोकीन ओर खुश मीजाज की लड़की है।

एक दीन मयुरी छुट्टी के दिन छत पर कपड़े सुखाने जाती है, कपडे सुखाने के बाद मयुरी रेलीग के पास खड़े होकर इधर-उधर देखने लगतीं हैं तो सड़क के उस पार उसे एक बहुत बड़ा बंगला दिखता है। उसी बंगले के छत पर एक हैन्सम लड़का दिखता है, वह लड़का भी मयूरी को ही देख रहा था। दोनों एक दूसरे के तरफ देखने लगे लड़के ने मयुरी को हाथ दिखाया, लेकीन उसी समय मामी आवाज लगाती है ओर मयुरी नीचे चली जाती है ।

दुसरे दीन मयुरी कॉलेज जाती है तो रस्ते में वो लड़का बुलेट गाड़ी पर बैठकर गॉगल लगाके मयुरी का इन्तजार कर रहा था। मयुरी ने लड़के को देखा तो कीसी हीरो से कम नहीं लग रहा था मयुरी मन ही मन मुस्कुरा रही थी। जब मयुरी कॉलेज से वापस आ रही थी तभी वह लड़का और उसका दोस्त गाड़ी

पर बैठकर उसके पीछे पीछे आने लगे । दोस्त ने गाड़ी से नीचे उतरकर मयूरी को एक लेटर दिया।

मयुरी ने घर जाकर लेटर आराम से पढ़ा तो उसमें लिखा था की मेरा नाम पारस है तुम मुझे बहुत अच्छी लगी, जबसे मैंने तुम्हे देखा है बस तुम ही तुम दीखाई दे रही हो मुझे तुमसे मीलना है, पास में ही भोलेनाथजी का एक मंदिर है उसके पीछे कल पाच बजे मैं इंतजार करूंगा।

दुसरे दिन मयुरी घड़ी के तरफ देखती है तो पांच बज गए थे, मयुरी बहुत घबराती है ओर सोचती है की "जाऊ की नहीं, जाऊ" कुछ समझ में नहीं आ रहा। जैसे जैसे समय बीत रहा था वैसे वैसे मयुरी की घबराहट बढ रही थी, आखिर मे मयुरी ने हीम्मत करी और पारस से मीलने गई । पारस पहले से ही वहा खड़ा था, पारस ने मयुरी को देखा और उसके पास आया और दोनों पास में बैठे, फीर पारस अपने बारे में मयुरी को बताने लगा।

पारस - "मेरे पापा की कपड़े की फैक्टरी है, मै पापा के काम में हाथ बंटाता हु । मम्मी-पापा और हम दो भाई हैं, मैं बड़ा हु, मेरे से एक छोटा भाई है उसका नाम हनी है"

मयुरी - "मेरी मम्मी शांत हो गई है और पापा गांव में है, मैं मामा मामी के पास रहती हु"

बातें करते करते पारस ने मयुरी का हाथ अपने हाथों में लिया और अपने प्यार का इजहार किया, मयूरी शर्मा गई फिर दोनों ने ढेर सारी बाते की । कुछ समय बाद दोनों अपने अपने घर चले गए।

घर जाने के बाद मयुरी का कीसी काम में मन नहीं लग रहा था पढ़ाई करने की भी ईच्छा नहीं हो रही थी, बस पारस ही पारस दिख रहा था। ऐसा ही पारस के साथ भी हो रहा था, पारस को भी घर में सब जगह मयुरी ही मयुरी दिख रही थी। पारस मन ही मन मुस्कुरा रहा था।

दुसरे दिन जब दोनों मिलने आये तो एक दूसरे को देखते ही बाहों में लीपट गये ,पारस ने जब मयुरी की तरफ देखा तो मयुरी शरम से गुलाबी गुलाबी हो गई । मयुरी के होंठ कपकपा रहे थे मयुरी को देखके पारस को सब्र नहीं हो रहा था पारस ने मयुरी के होंठो को चुम लीया ।

पहला किस जिंदगी मे हर किसी को याद रहता है दोनों एक दूसरे से लिपट कर भावनाओ मे भह गए । फिर मयुरी ने पारस को रोका और बोला की ये जगह ठीक नहीं है पारस ने मयुरी को बोला की हम अगली बार यहां नहीं मीलेंगे, मेरे पुराने घर पर मिलेंगे ओर एक दूसरे को बाय बोलके घर चले गए।

पारस जब घर पर पहुंचता है तो राज नाम का लड़का बैठा हुआ रहता है, जो पारस का बहुत अच्छा दोस्त है।

पारस - “और मेरे दोस्त कैसा है तु”

राज - “अरे साले मैं ठीक हूं तु भुल गया की कल क्या है”

पारस - “नही भाई मुझे याद है कल तेरा जन्मदिन है”

राज - “कल घर पर टाइम से पहूंच जाना और हां तेरे छोटे भाई हनी को भी साथ लाना”

पारस - “ओके भाई मैं पहुच जाऊंगा और हनी को भी लाऊंगा” तु चींता मत कर।

राज ने पार्टी की सभी तैयारियां कर ली थी राज की मम्मी पापा और राज की छोटी बहन सोनिया सब तैयार हो गये थे । तभी पारस और हनी पार्टी में आते हैं और राज को जन्मदिन की बधाई देते है। राज पारस को बोलता है की “मेरी घड़ी दिख नहीं रही है शायद ऊपर के कमरे मे रह गई है”, पारस बोलता है “अरे यार तु रुक मैं अभी लाता हूं” पारस चढ़ाव से ऊपर जाने लगता है तभी उधर से राज की बहन सोनिया तैयार होकर जल्द बाजी में आती है और पारस से टकरा जाती है, दोनों के सीर टकरा जाते हैं, ओर दोनों एक-दूसरे की आंखों में देखते हैं सोनीया पारस को पहले से ही पसंद करती थी।

पारस यह बात जानता था लेकीन दिखाता नही था। और दोनों हंसते हंसते चले जाते हैं ,पारस राज की घड़ी लाता है।और सब लोग राज का जनमदीन धुमधामसे मनाते है।

सभी लोग एंज्वॉय करते हैं पार्टी में हनी दुरसे से ही सोनिया को देखता रहता है। हनी सोनिया को पहले से पसंद करता था ।

दुसरे दिन पारस को मयुरी से मीलने जाना था, लेकीन समझ में नहीं आ रहा था की कोनसे कपड़े पहने, कांच के सामने एक-एक करके कपड़े लगा के देख रहा था। फीर बड़ी मुश्किल से एक ड्रेस पहना और पुराने घर पर गया वहां पारस मयुरी का इन्तजार करता है मयुरी भीअच्छे से तैयार हो के पारस से मीलने आती है जब पारस मयुरी को देखता है तो खुशी के मारे फुले नहीं समाता और मयुरी को गोद मे उठाकर गोल गोल घुमाने लगता है और हंसकर बोलता है मयुरी ओ मेरी मयुरी आय लव यू -आय लव यू मेरी जान, मयुरी दोनों हाथ फैला कर पारस को बोलती है पारस आय लव यू, आय लव यू फीर दोनों एक दूसरे की आंखों

देखते ही देखते बेड पर एक दूसरे के ऊपर गीर जाते हैं और एक दूसरे को किस करके लगते हैं एक दूसरे की बाहों मे लीपटकर दोनों भावनाओं में बह जाते है, मयुरी पारस को बोलती है ये सब क्या हो गया शादी के पहले ये पाप है और रोती है पारस बोलता है नही नही मयुरी अब हम दो जिस्म एक जान हो चुके हैं। तु टेंशन मत ले सब ठीक हो जाएगा मयुरी बोलती है मैंने अपने आपको पुरी तरह तुम्हें सौंप दिया है मुझे कभी धोका मत देना।

एक दिन पारस अपने दोस्त राज से मीलने घर जाता है, लेकिन राज नहीं मिलता जेसे ही पारस वापस जाने लगता है वैसे ही सोनिया सामने आ जाती है और बोलती है हमें पता है की मयुरी और आप एक दूसरे से प्यार करते हो लेकिन मैं भी तो आपसे प्यार करती हूं, अभी तो आपको मेरी जरूरत नहीं है लेकिन जब भी मेरी जरूरत हो मैं आंखें बंद करके मेरा प्यार तुम्हें सौंप दुंगी। ये सब सुनके पारस वहां से चला जाता है उतने में राज आता है फिर पारस और राज बातें करते करते बाहर निकल जाते हैं। वैसे राज और पारस बहुत अच्छे दोस्त थे इसलिए दोनों एक दूसरे के घर कभी भी आते जाते थे।

इधर मयुरी और पारस मीलने के लिए बेचैन रहते थे, श्याम को मयुरी और पारस पुराने घर मिलते है, ओर दोनों एक दूसरे को देखते ही बांहों में कसके पकड लेते हैं और पागलो की तरह प्यार करने लगते हैं। मयुरी पारस के बाल सहलाते हुए बोलती है की हमें अब शादी के बारे सोचना होगा, अब हम एक दूसरे के बगैर नहीं रह सकते। हमें अपने अपने घर पर बताना होगा। पारस बोलता है “सब हो जाएगा बाबा” और मयुरी को बाहों में ले के चूमने लगता है मयुरी बोलती बस करो अब मुझे घर जाना है, एसा कह कर वह से निकाल जाती है ।

3. प्यार की परीक्षा

एक दिन मयूरी की मामी बाहर जाती है तो मामी की एक सहेली रास्ते में मिलती है और बोलती है की भाभी मुझे तुमको कुछ बताना है मुझे मयुरी के तेवर कुछ ठीक नहीं लग रहे है, मेने मयुरी को पारस के पुराने घरसे बाहर नीकलते हुए देखा था तुम मयुरी का ध्यान रखना, एसा सुनकर मामी गुस्से से लाल पीली होकर घर आती है और मयुरी का इन्तजार करती है।

उतने में मयुरी भी घर आती है, मयुरी के बाल बीखरे बीखरे रहते हैं। तभी मामी पुछती है इतनी देर कहां थी, मयुर बोलती है, मैं सहेली के यहां होमवर्क की कॉपी लेने गई थीं, मामी ने कहा अच्छा अब तु मुझसे झूठ भी बोलने लगी और मामी मयूरी को एक थप्पड़ मारती है, तभी मामा आते हैं और बोलते की क्या कर रही है जवान लड़की पे हाथ उठाती है मयुरी को तु प्यार से भी तो समझा सकती है ना।

मामी बोलती है “अरे अब मैं क्या करूं पढ़ाई लिखाई करना चाहिए तो पता नहीं ये सब क्या कर रही है, अब मैं इसके पापा को क्या जवाब दूंगी सब दूर बदनामी हो रही है।”

मामा - “बता ना बेटा तु सच बता दें” मयुरी रोते रोते सब बताती है “मैं और पारस एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं हम शादी करना चाहते हैं ।

मामी मयूरी को बोलती है “वो बड़े लोग हैं हम उनकी बराबरी नहीं कर सकते हमसे रीश्ता जोड़ने के पहले पारस के पापा दस बार सोचेंगे ये क्या कर दिया बेटी”

फिर भी मामी रोते रोते बोलती हैं “तु चुप हो जा बेटा हम लोग शादी के लिए तैयार है बस तू पारस को बोल की अपने मम्मी पापा से बात करे” हम तेरी शादी पारस के साथ धुमधामसे करेंगे।

दुसरे दिन मयुरी पारस को मीलने जाती है मयुरी पारस को रोते रोते बोलती है “अब मेरी फेमिली की इज्जत तुम्हारे हाथ में है”

पारस बोलता है “पहले तो तु रोना बंद कर मैं पापा से बात करता हूं” पारस मयुरी को बाहों में ले के बोलता की “तु चिंता मत कर सब ठीक हो जाएगा” पारस मयुरी के आंखों को चूमता है धीरे-धीरे सब दूर चुमता है दोनों एक-दूसरे को कसके पकड़कर बहुत सारा प्यार करते हैं और आय लव यू , आय लव यू बोलते हैं।

सुबह पारस के पापा चाय के साथ पेपर पढ़ते हैं तभी पारस घबराते हुए पापा के पास आता है। पापा बोलते है “क्या बात है पारस कुछ बोलना चाहता है” पारस नीचे गर्दन करके बोलता है “हा पापा मुझे आपसे जरूरी बात करना है”

पापा बोलतै है “हाँ बोल” उतने में मम्मी भी आती है तभी पारस बोलता है “मैं और मयुरी हम दोनों एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं हम शादी करना चाहते हैं”

पापा गुस्से से बोलते हैं “तुम्हारी हीम्मत कैसे हुई ये सब बोलने की तु कहा ओर वो लड़की कहा ये शादी कभी नही हो सकती” जो कुछ भी हुआ उसे

भुल जा, पारस की मम्मी भी कुछ नहीं बोल पाती और पारस के पापा वहां से चले जाते है। अब पारस को बहुत टेंशन हो गया "अब मैं क्या करूं.. क्या करूं.. " बोलते हुए दीवार पर सर पटकने लगा "मयुरी को क्या जवाब दूंगा" एक दीन तो पारस अपने कमरे से बाहर ही नहीं निकला, पारस की मम्मी खाना ले के कमरे मे गई।

मम्मी पारस को बोलती है खाना खा ले बेटा "नहीं मम्मी मुझे भुक नही है" मम्मी बोलती है "तेरे पापा के सामने कीसी की नहीं चलती तु तो जानता है ना"

"लेकिन मम्मी अब मैं क्या करूं मयुरी को क्या बोलु" पारस गुस्से से बाहर चला जाता है पारस को कुछ समझ में नहीं आता करू तो क्या करूं ऐसे करके चार दिन नीकल गये।

मयुरी उधर टेंशन ले रही थी क्या हुआ होगा पारस के मम्मी पापा मान गये होंगे की नही क्या होगा चार दिन हुए पारस भी नहीं मीला ये सोचते सोचते मयुरी को उल्टी होती है, मामी मयुरी की आवाज सुनकर बाहर आती है बोलती है क्या हुआ बेटा उल्टी क्यों हुई , कही तु प्रेगनेंट तो नहीं है? "पता नहीं मामी मेरे साथ क्या हो रहा है" और दोनों रोने लगती है।

मामी बोलती है, अस्पताल चलते हैं मामा ओर मामी मयुरी को टैक्सी में बैठाके अस्पताल ले जाते हैं। डाक्टर मयुरी को चेक करती है तो बताते हैं कि मयुरी मां बनने वाली है। दो महीने हो गए है ये सब सुनकर मयुरी रोने लगती है। जैसे तैसे मयुरी को घर लाते हैं और बोलते हैं की ये सब तुझे पारस को बताना चाहिए। "हां मामी मैं पारस से बात करूंगी" मयुरी पारस के दोस्त के पास सदेश भेजती है की "मुझे अर्जेंट मिलना है मैं कल पुराने घर आऊंगी"।

मयुरी मीलने जाती है और पारस को बोलती है की “तुमने हमारे बारे में पापा से बात करी पापा मान गए ना? हमारी शादी होगी ना?”

पारस कुछ नहीं बोलता है।

मयुरी - “तुम बोलते क्यों नहीं मैं तुम्हारे बच्चे की मां बनने वाली हु”

पारस - “क्या ?!!” यह सुनकर पारस बहुत खुश होता है और बोलता है क्या “मैं बाप बनने वाला हूं!”

पारस रोते रोते बोलता है - “मगर मैं क्या करूं मैं मजबूर हु, मयुरी पापा ने शादी के लीऐ मना कर दिया, मयुरी तु ये बच्चा गीरा दे”

मयुरी - “नही मैं ये नहीं कर सकती, यह हमारे प्यार की नीशानी है नही पारस ये पाप मुझसे मत करवाओ”

पारस -“पागल मत बन मयुरी तुम्हें ये करना होगा हमारी शादी नहीं हो सकती पापा के खिलाफ मैं नहीं जा सकता” मयुरी - “हम भाग के शादी करेंगे,

पारस बोलता है” मयुरी पापा हमें कहीं से भी ढुंड नीकाल लेंगे मुझे पता है पापा हमारी शादी कभी नहीं होने देंगे”

अब मयुरी को बहुत गुस्सा आता है और रोते रोते बोलती है “सुनो पारस मुझसे प्यार तुमने अपने पापा से पुछकें कीया था, क्या तुम हमारे प्यार के लिए लड़ नहीं सकते। आज तक मैंने तुम्हारे प्यार के सहारे जीया है

“तुम्हारा प्यार एक पहाड़ी झरने सा है,

जो ऊँचाइयों से गिरकर बिखर जाता है।

और मेरा प्यार एक नदी है जो हर मोड़ पर साथ निभाती है। ”

दोनों मे बहुत फर्क है ओर ये फर्क जानने मे मुझसे भूल हो गई, तुमने मुझे धोखा दिया है मेरी जींदगी बर्बाद कर दी मुझे कहीं का नहीं छोड़ा।

मयूरी पारस को घुस्से से बोलती है।

"**आज तूने की नहीं मेरे प्यार की कदर,**

मेरी रूह से अब निकल रहा है ज़हर।

ना मिलेगा तुझे सुकून ज़िंदगी भर,

एक दिन तू भी तड़पेगा मेरे प्यार में जरूर"

आज के बाद मुझे अपनी शक्ल मत दिखाना मैं तुम्हारे लिये मर गई" और मयुरी रोते रोते चली जाती है पारस मयुरी मयुरी करके दीवार पर हाथ पटककर रोता रहता है।

मयुरी घर जाकर मामा मामी को बताती है कि पारस के मम्मी पापा ने मना कर दिया, मामी बोलती हैं अब क्या करेंगे बस अब एक ही रास्ता है मयुरी इस बच्चे को गीराना होगा दुसरा कोई रास्ता नहीं है मयुरी "नहीं मामी मुझसे नहीं होगा"।

मामी मयुरी को समझाती है और हीम्मत देती है मैं तेरे साथ हूं कुछ नहीं होगा सब ठीक हो जाएगा।

मामी मयूरी को अस्पताल लेकर जाती है ओर बच्चा गीरा देते हैं ,और घर लाकर मामी मयुरी की देखभाल करती है, मामी के प्यार भरें सपोर्ट से मयुरी थोड़ी ठीक हो जाती है लेकिन किसी से ज्यादा बात नहीं करती बस गुमसुम रहती है। उस टाइम मयुरी की पढ़ाई भी छुट जाती है। मयुरी मन ही मन सोचती है मेने तो सच्चे मन से विश्वास किया था अपने प्यार पर, एक पल में सब कुछ बीखर गया। कभी सोचा भी नही था की

पारस के कारण मुझे ये दिन देखना पड़ेगा, ये सब मेरे साथ ही क्यों हुआ,और जोर जोर से रोने लगती है ।

4. मयुरी की शादी

तभी मामी मयूरी के पास आते हैं ,और मयुरी को गोद में लेके संभालते हैं। रात में जब मयुरी सो जाती है तो मामी, मामा से बात करती है "देखो अभी तक जो हुआ सो हुआ लेकिन अब हमें कुछ करना होगा कोई अच्छा लड़का देखकर मयुरी की शादी कर देते हैं" मामा बोलते है "ठीक है जैसा तु ठीक समझें" मामी बोलती है "हां मैं कल भाभी से बात करती हूं"

ये सब बातें मयुरी के पापा को मत बताना वरना वो जीते जी मर जाएंगे। मामी भाभी से बात करने जाती है दोनों मयुरी के बारे में बात करती है तो भाभी बोलती है की मेरे नजर में एक लड़का है मैं बात करती हु, भाभी लड़के वाले से बात करती है तो लड़के वाले बोलते हैं हम कल लड़की देखने आते हैं , भाभी मामी को बोलने आती है की लड़के वाले कल मयूरी को देखने आ रहे हैं लड़के का नाम नील है सब तैयारियां रखना। ये सब बातें मयुरी सुन लेती है, लेकिन जिंदा लाश की तरह रहती है, ओर मामी को बोलती है की मुझे शादी नहीं करना, मामी मयुरी को समझाती है की बेटा यही ठीक रहेगा फिक्र मत कर सब ठीक हो जाएगा। लड़के वाले मयुरी को देखने आते हैं मयुरी, नील और उसके मम्मी पापा को

बहुत पसंद आती है लड़के वाले बोलते हैं की जल्दी शादी की तैयारी करो।

उधर पारस को दोस्त बताता है की मयुरी की शादी पक्की हो गई है, और मुझे पता चला है की बच्चा भी गीरा दिया है। पारस को बहुत बुरा लगा और वह रोने लगा दोस्त बोलता है चुप हो जा मत रो भाई,

इधर मयूरी की शादी की तैयारियां शुरू होती है पारस के धोके से मयूरी बहुत दुखी थी मन ही मन सोचती है ।

हमने मोहब्बत निभाई सच्चाई से,

पर दिल की तड़प ये दुनिया क्या जाने।

एक वार किया ऐसा बेवफाई ने,

कि तक़दीर भी हमसे खफा हो गई।

मयुरी सोचते सोचते सुन पड़ गयी थी। कीसीसे बात नही कर रही थी मयूरी को जैसे तैसे तैयार करके लाते हैं और उसकी शादी नील से हो जाती है मयुरी बहुत रोती है, मयुरी के पापा और मामा-मामी मयूरी की बिदाई करते हैं।

5. सोनिया की नई कहानी

उधर पारस मयूरी के गम मे बहुत शराब पीने लगता है और लड़खड़ाते हुए राज के घर का दरवाजा ठोकता है। सोनिया दरवाजा खोलती है,और बोलती है राज भैय्या तो घर पे नहीं है और मम्मी पापा बाहर गए हैं पारस को होश नहीं रहता और सोनिया के कन्धे पर गीर जाता है सोनिया पारस का हाथ अपने गले मे डालकर ऊपर वाले कमरे में ले जाती है। कमरे में बेड रहता है उसपर पारस को लेटा देती है पारस मन का बोझ हल्का करने के लिए सोनिया का हाथ पकड़कर खींचता है तो सोनिया पारस के बाहों में गीर जाती है।

सोनीया तो पहले से ही पारस की दिवानी रहती है लेकिन पारस को सोनिया में मयुरी दिखती है,पारस सोनिया को प्यार करने लगता है सब दुर चुमने लगता है, सोनीया भी पारस को प्यार करने लगतीं हैं दोनों एक-दूसरे के भावनाओं में बह जाते हैं जब पारस को होश आया तो सोनिया को और खुद को अजीब सी अवस्था में पाता है।

अब मयुरी सबकुछ भुला कर अपनी शादीशुदा जिंदगी अच्छे से गुजारना चाहती है। मगर कीस्मत में तो कुछ और ही लीखा था

सुहागरात के दिन मयुरी अपने कमरे में बैठी थी तभी जोरसे आवाज आती है, मयुरी देखती है तो सामने एक हाथ में शराब की बॉटल और दुसरे हाथ में सिगरेट पीते हुए कमरे मे नील आता है। आते ही मयुरी के पास बैठता है, मयुरी को शराब की बदबु आती है।

मयुरी - "आज के दीन आपने शराब पी है"

नील - "मैं तो रोज ही पीता हूं" और मयुरी को पकड़ेके कीस करने लगता है तभी मयुरी जोरसे धक्का देती है तो नील नीचे गीर पड़ता है। नील को गुस्सा आता है तो मयुरी को एक थप्पड़ मारता है और मयुरी के साथ जबरदस्ती कर के सुहागरात मनाता है और फिर नील सो जाता है और मयुरी रात भर रोती रहती है।

आऐ दिन नील का शराब पीकर आता था और बीना वजह मयुरी के साथ मारपीट करता था नील कोई काम धंधा बराबर नहीं करता था । हमेशा मयुरी से पैसे मांगता था ओर पैसे नहीं देने पर मयुरी को बाल खींचकर मारता था । मयुरी रो रो के अपना बुरा हाल करती थी, मयुरी के समझ में नहीं आ रहा था की "मेरे साथ क्या हो रहा है मैं क्या करूं"। नील के सामने उसके मम्मी पापा की भी नहीं चलती थी मयुरी बहुत अकेली पड़ गयी थी।

एक दिन मयूरी पोंछा लगाती है और नील तैयार होकर बाहर आता है तभी मयुरी को आवाज लगाके बोलता है जुता पोंछने के लिए कपड़ा ला, मयूरी जल्दी जाकर कपड़ा नील को देती है तो नील बोलता है तेरे हाथों में मेहंदी लगी है क्या है, पोछ ये जुते

मयूरी जुते पोंछती है तो नील बोलता है इतनी देर लगती है क्या जुते पोछने में मुझे जाना है । मयूरी के हाथ के ऊपर नील खड़ा होकर जुतों से ऊंगलीयो को मसलता है। और एक थप्पड़ मारता है मयूरी के ऊंगलीयो में से खून नीकल ने लगता है फिर नील मयूरी को धक्का देके चला जाता है।

मयूरी अपने कमरे में जाकर ऊंगलीयो को पकड़ के दर्द से रोती है। और मन ही मन बोलती है हे भगवान मुझे ये कीस बात की सजा मिल रही हैं। मयूरी एकदम बेजान हो जाती है।

इधर पारस मयुरी को भुलाने के लिए सोनिया का सहारा ले रहा था, पारस राज को मीलने के बहाने से सोनिया से मीलने आता था।। जब भी मोका मीलता था ऊपर के कमरे में जाकर दोनों बातें करते थे और बातें करते करते एक दूसरे के प्यार मे खो जाते थे। धीरे धीरे सोनिया के मम्मी को समझ में आ रहा था कि दोनों के बीच कुछ खिचड़ी पक रही है ।

एक दिन सोनिया और उसकी सहेली साथ में बैठकर पढ़ रहे थे, तो सहेली ने सोनिया की कॉपी पढ़ने के लीऐ ली तो उसमे एक गोली का पत्ता था।

सहेली ने पूछा ये "क्या हैं कीस चीज की गोली है"

सोनिया ने फट्ट से सहेली के हाथ से कॉपी और गोली का पत्ता छीन लीया।

सोनिया ने हंसकर बोला "कुछ नहीं बस ये तो ऐसे ही है"

सहेली - "देख सोनिया तु सच सच बता कहीं तु गलत तो नहीं कर रही है ना।"

सोनिया - "नही रे कुछ नहीं"

सहेली - "तु सच बताती है की तेरी मम्मी को बताऊं"

सोनिया - "अच्छा बाबा बताती हु कीसीको बताना मत"

“वो मैं, वो मैं” लड़खड़ाते हुए बोलती है “पारस और मैं एक दूसरे से प्यार करते हैं।

सहेली - “प्यार करती है तो सबकुछ कर लिया बेवकूफ” ये बोलके सहेली गुस्से से चली जाती है लेकिन सोनीया को तो पारस के प्यार का ऐसा नशा चढ़ा था की कोई कुछ भी बोले उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था, बस पारस के खयालो मे खोई रहती थी उसे सब दूर पारस ही पारस दीखता था।

एक दिन की बात है सोनिया ऊपर कपड़े चेंज कर रही थी तभी धीरे से पारस राज के मम्मी को चकमा देकर ऊपर जाता है, पारस सोनिया को ऐसी अवस्था में देखता है कि आधे कपड़े शरीर पर रहते है औरआधे नहीं दोनों एक-दूसरे के पास आते हैं और एक दूसरे के बाहों में आकर लीपट जाते हैं दोनों एक-दूसरे को चूमते रहते है और पारस सोनिया का हाथ पकड के पलं बेड पर बीठाकर बोलता है “ तु प्रेगनेंट हो जाएगी” तो सोनिया बोलती है “तुम टेंशन मत लो मेरे पास इंतजाम है”

पारस-”वो कैसे”

सोनिया - “मैं प्रेगनेंट ना होने की गोली लेती हुं”

फीर दोनों अपने आप को रोक नहीं पाते और एक दूसरे पर टूट पड़ते हैं।

सोनिया का मन पढ़ाई में नहीं लगता था बस सामने किताब ले के बेठी रहती है तभी सोनिया की मम्मी बात करने आती है।

मम्मी - “सोनिया एक बात पुछु”

सोनिया -”हां मम्मी बोलो”

मम्मी - “तु पारस को पसंद करती हैं”

सोनिया शरमाके बोलती है " हां मम्मी"

मम्मी - "तो पारस को बोल अपने घर वाले से शादी की बात करे, मैं भी पापा से बात करती हूं"

सोनिया -"हां मम्मी मैं पारस से बात करती हूं"

सोनीया बहुत खुश होती है और ऊपर जाकर कमरे में नाचने लगती है।

दुसरे दिन पारस घर आकर सोनिया से मिलने ऊपर जाता है सोनीया जैसे ही पारस को देखती है वैसे ही पारस के गले लग जाती है,

पारस बोलता है -"मुझे कुछ बताना है"

सोनीया- "मुझे भी कुछ बताना है"

पारस -"पहले तु बता"

सोनिया- "पहले तुम बताओ"

पारस- "मुझे ये बात बताते हुए अच्छा नहीं लग रहा है पर बताना तो पड़ेगा मेरी शादी मम्मी पापा ने पक्की कर दी आनेवाले दस तारीख को शादी है।"

सोनिया की पैरों तले जमीन खसक जाती है, सोनिया पारस को देखते ही रह गई पारस बोलता है मुझे माफ़ कर दे सोनिया मैं मजबूर हु।

पारस- "हां तुम कुछ बताने वाली थी क्या बताने वाली थी बताओ ना"

सोनिया- "कुछ नहीं बस ऐसे ही"

पारस- "नही तु कुछ तो बताने वाली थी"

सोनिया जोर से गुस्से में रोते हुए बोलती है "हां मैं ये बताने वाली थी की हम दोनों शादी कर लेते है बताओ अब तुम क्या बोलोगे तुम्हारे पास बोलने के लिए कुछ है ही नहीं ना, तुमने मयुरी के साथ भी ऐसा ही किया" और सोनिया पारस को जोरसे थप्पड़ मारती है "ये तुमने अच्छा नहीं करा जीतने तुम ऊपर से अच्छे दीखते हो उतना ही तुम्हारा दिल अंदर से काला है चले जाओ यहां से मुझे अपना ये मनहुस चेहरा कभी मत दीखाना" उतने में सोनिया की मम्मी आती है और सोनिया मम्मी के गले लगकर खुब रोती है। मम्मी समझ जाती है पारस चुपचाप वहां से चला जाता है जब नीचे आता है तो राज दिखता है राज बोलता "क्या बात है कहा जा रहा है आजा अपन साथ में चाय पीते हैं" पारस बोलता है "नही मैं जल्दी में हु" और नीकल जाता है।

सोनिया की मम्मी समझाती हैं बोलती है घर में कीसीसे कुछ मत कहना। सोनिया एकदम टूट जाती है पढ़ाई में भी मन हीं लगता। खाना भी नहीं खाती बस चुपचाप बैठी रहती है थोड़े दिन बाद पारस की शादी हो जाती है।

सोनिया पढ़ाई करने बैठती तो किताब में पारस ही दीखता है, सोनीया को समझ में नहीं आता क्या करूं। ऐसे ही एक दिन सोचते सोचते सोनिया खीडकी के पास जाकर बाहर देखती है तो नीचे हनी खड़ा रहता है जो की पारस का छोटा भाई है, अचानक दोनों एक दूसरे को देखते है लेकिन सोनीया पीछे हट जाती है, दुसरे दिन हनी सोनिया के घर आकर आता है, उस वक्त घर में कोई भी नहीं रहता, फीर अचानक हनी सोनिया को कीस करता है और "आय लव यू" बोलता है। "मै तो तुझे कबसे लाईक करता हूं और मुझे तुम अच्छी लगती हो, लेकिन भाई का और तेरा चल रहा था तो मैं कुछ नहीं कर पाया लेकीन अब मैं तुझे खोना नहीं चाहता।" ऐसा बोलके हनी चला जाता है सोनिया को भी सहारे की जरुरत रहती है और सोनिया को भी अच्छा लगा सोनिया के चेहरे पर थोड़ी मुस्कुराहट आयी अब सोनिया हनी का इन्तजार करने लगती है।

एक दिन हनी घर के सामने खड़ा रहता है। उतने में सोनिया की मम्मी मंदिर जाते हूंये दिखती है। वैसे ही हनी सोनिया के घर जाता है, तो सोनिया घर में अकेली थी, हनी सोनिया के पास गया और सोनिया के दोनों हाथों को ऊपर पकड़कर कीस करने लगा कीस बहुत देर तक चलती रही धीरे धीरे दोनो एक दूसरे बाहों में आकर प्यार करने लगे और एक हो गए।

अब सोनिया का मन लगने लगा, खाना भी खाने लगी, बस दोनों मीलने का मोका ढुढते थे और मीलते थें। सोनिया पहले जैसी गोली खाने लगी, सोनिया के मम्मी को समज में आ गया तो सोनिया को बहुत चील्लाया ओर मारा भी लेकीन सोनिया को खुद समझ में नहीं आ रहा था की ये मै ये क्या कर रही हु ।

सोनिया को कोई फर्क नहीं पड़ रहा था क्योंकि सोनिया पारस को भुलाने की कोशिश कर रही थी, सोनिया हनी के लिए सीरीअस नहीं थी, सोनिया को पता था की मैं अपने साथ अच्छा नहीं कर रही हुं और मम्मी के नजर में भी मैं अच्छी लड़की नहीं हूं लेकिन क्या करूं पारस को भुलाने में हनी की मदद मील रही है।

एक दिन सोनिया के पापा नीचे गर्दन करके पेपर पढ़ रहे थ, और मम्मी खाना बनाती थी , तभी हनी सोनिया के मम्मी पापा को चकमा देकर सोनिया के पास ऊपर कमरे चला जाता है। सोनिया को पीछे से आकर हनी पकड़ लेता है सोनिया डरके चील्लाती है तो हनी हाथसे सोनिया का मुँह दबाता है और बोलता है चीला मत मम्मी पापा नीचे है। ऐसे ही हनी सोनिया को बेड पे ले जाता है हनी सोनिया को सब दूर किस करने लगता है सोनिया बोलती है अभी तुम जाओ कोई आ जाएगा। मम्मी पापा नीचे है, हनी बोलता है कुछ नहीं होगा उनको पता नहीं है की मैं ऊपर आया हूं। हनी सोनिया को हर जगह चुमता है दोनों एक दूसरे के बाहों मे लीपटकर प्यार करने लगते हैं।

थोड़ी देर बाद हनी नीचे जाता है तो सोनिया के मम्मी पापा को दिखता है तो पुछते है “तु कहां से आ रहा है ऊपर गया था क्या?” हनी को कुछ समझ में नहीं आता की क्या बोलु इस लिए हनी कुछ नहीं बोलता ओर सोनिया के पापा आवाज लगाते है की सोनिया तु ऊपर क्या कर रही है सोनिया बोलती है मैं तो कमरें की सफाई कर रही हुं फीर हनी बोलता है की “मैं तो राज को ढुंढ रहा हूं” और हनी चला जाता हैं।

पापा का दिमाक चकरा जाता है लेकिन सोनिया की मम्मी सब समझ जाती है सोनिया के पापा मम्मी को बोलते हैं की सोनिया पर नजर रखना कोई अच्छा लड़का देखकर शादी कर देते हैं।

सोनिया के भी समझ में आ गया अब मम्मी पापा मुझ पर नज़र रखने लगेंगे, तभी सोनिया हनी को लेटर लीखती है और खिड़की में से देखती है तो हनी नीचे खड़ा दीखता है तो सोनिया फटसे हनी के सामने लेटर फेंकती है।

हनी एक साइड जाकर लेटर पढ़ता है लेटर में लिखा रहता है मेरे घर में सबको पता चल गया है अब तुम मुझसे मीलने मत आना हनी टेंशन में आता है की अब क्या करूं फीर भी हनी चुपचाप नहीं बैठता कुछ ना कुछ जुगाड करने का सोचता है।

हनी को रातको नींद नहीं आती तो सुबह जल्दी ही सोनिया घर के सामने एक दोस्त के साथ आता है। हनी दोस्त को बोलता कुछ कर यार तभी दोस्त सामने वाले लड़के से बात करता है

“और पीयुष तु कल आया नही”

पीयूष - “नही यार थोड़ा काम था”

पीयूष का घर सोनिया के पड़ोस में ही था।

हनी - “अबे ये कौन है”

दोस्त - “ये पीयूष मेरा दोस्त है”

हनी - “मैं पीयूष के घर में से छत पे जाकर दीवार से कुदकर सोनिया से मीलने जा सकता हूं कीसीको पता भी नहीं चलेगा”

तु पीयूष से बात कर उसको पटा।

हनी का दोस्त पीयूष को सब बातें समझाता है और पीयूष मान जाता है। हनी रात होने का इन्तजार करता है बड़ी मुश्किल से रातके 11 बजते है सोनिया की मम्मी आगे वाले लोहे के गेट मे ताला लगा कर सोने जाती है पापा और राज दरवाजा बंद कर के सो जाते हैं और सोनिया अपने कमरे में ऊपर सोने जाती है और दरवाजा बंद करती है सोनिया को नींद नहीं आती हनी के बारे में सोचती है।

इधर हनी पीयूष के घर में से छत पर जाता है और दीवार कुदकर सोनिया के छत पे आता है। सोनिया का धीरे से दरवाज़ा खटखटाता है, “सोनिया सोनिया” आवाज लगाता है सोनिया दरवाजा खोलती है तो हनी को देखकर चौंक जाती है। सोनिया हनी को जल्दी से अंदर करके दरवाजा बंद कर लेती हैं। सोनिया पुछती है तुम कहां से आए, हनी सोनिया को सब बताता है और सोनिया को गोद में उठा कर गोल घुमाता है। फीर बेड पे बैठकर दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़कर सहलाते है,

हनी - मैं कल तेरे घरवालों से शादी की बात करने आता हूं

सोनिया - हंसकर बोलती है “शादी के लिए कोई भी नहीं मानेगा”

हनी - “तु देख तो सही मैं क्या करता हूं” हनी सोनिया से सच्चा प्यार करने लगा था लेकिन सोनिया के साथ एक बार धोका हुआ था तो वो

कीसी पे विश्वास नहीं कर पाती और सोनिया हनी से इतना प्यार भी नही करती थी। थोड़ी देर बाद हनी सोनिया को फ्लाइंग किस देते हुए अपने घर चला जाता है।

दुसरे दिन सोनिया के घर में सब लोग साथ में बैठकर बातें करते रहते है सोनिया घड़ी देखती रहती है, तभी हनी आता है। सबको नमस्ते करता है और बोलता है मुझे आप लोगों से बात करना है सोनिया के पापा बोलते है "हां बोल" हनी थोड़ा घबराया हुआ रहता है फीर भी हीम्मत करके बोलता है मैं सोनिया से प्यार करता हूं और उससे शादी करना चाहता हू।

सोनिया की मम्मी बोलती है "शादी करेगा शादी का मतलब भी जानता है। तेरे भाई ने धोका दिया और तु भी तो उसी का भाई है धोखेबाज!"

सोनिया के पापा और राज ये सुनकर बोखला जाते है और पापा बोलते हैं "तुम्हारा पुरा खानदान ही धोखेबाज हैं। हनी तु जा यहां से तेरी और सोनिया की शादी कभी नहीं हो सकती" ये सुनकर हनी चला जाता है लेकिन सोनिया को ज्यादा फर्क नही पड़ता। सोनिया के पापा मम्मी गुस्से से बोलते है "मेरे दोस्त का बेटा है, उसकी अच्छी नौकरी भी है मैं बात चलाता हूं तुम सोनिया को तैयार रखना"

सोनिया के पापा अपने दोस्त से बात करते है दोस्त बोलता है "हम कल सनी को लेके लड़की देखने आते है।"

दुसरे दिन सोनिया को देखने लड़के वाले आते है सोनिया सबको पसंद आती है ओर बोलते हैं अच्छा सा मुहुर्त देखके शादी कर देते है थोड़े दिन बाद सोनिया की शादी हो जाती है।

6. मयूरी की अग्नि परीक्षा

उधर मयुरी एक दिन मीट्टी के चुल्हे पर खाना बनाती है तभी नील आता है और मयुरी को पैसे मांगता है। मुझे पैसे दे, पैसे ना देने पर मयुरी को मारता है और चुल्हे में की जलती लकड़ी लेकर मयुरी का हाथ जला देता है। मयुरी जोरसे चील्लाती है और रोने लगती है तभी कमरे से सांस ससुर आ के देखते हैं तो नील बोलता है तुमको कोई काम नहीं है क्या जाओअपने कमरे में, सांस ससुर डर के मारे चले जाते हैं।

मयुरी भी अपने कमरे में जाकर खुब रोती है। नील बाहर चला जाता है मयुरी खाना भी नही खाती रातको 12 बजे के करीब नील एक दोस्त के लेकर आता है और दोस्त के साथ शराब पीने बैठता है। नील मयुरी को जोर से आवाज लगाता है “मयुरी पानी ला” मयुरी पानी ले के आती है। नील दोस्त को बोलता है की “मुझे पैसे दे और मयुरी के पास जा और मजे कर।”

ये सुनके मयुरी भागके कमरे में जाती है ओर दरवाजा बंद कर लेती है। दोस्त दरवाजा ठोकता है लेकिन मयुरी दरवाजा नहीं खोलती, नील शराब पीकर बेहोश हो जाता है। दोस्त दरवाजा को लात मार कर वहा से चला जाता है। मयुरी रोती रहती है उसके जले हुये हाथ पर मलम

लगाना वाला भी कोई नहीं होता । मयुरी अपने तकदीर पर बहुत गुस्सा करती है और अपना सीर पटक पटक कर रोती है।

दुसरे दिन नील की मम्मी मयूरी को डॉक्टर के पास ले जाती है। डॉक्टर मयूरी का हाथ देखकर एंटीबायोटीक मलम और दवाईयां देते है। जैसे ही सांस ,बहु अस्पताल से घर आते है, नील दरवाजे पे सामने ही खड़ा रहता है और जोर, जोरसे झगड़ा करने लगता है।

नील मम्मी से बोलता है इसको डॉक्टर के पास ले जाने के लिए तेरे पास पैसे है,और मैं पैसे मांगता हूं तो तेरे पास पैसे नहीं है। जैसे ही मयूरी दरवाजे से अंदर जाने लगती है वैसे ही नील पीछेसे मयूरी की चोटी खींचके सर के बल उसे नीचे गीरा देता है, ओर उसके सर से खून बहने लगता है और मयुरी बेहोश हो जाती है।

नील की मम्मी मयूरी को गोद में पकड़कर जोर जोरसे रोती है। नील की मम्मी की रोने की आवाज सुनकर आस पास के लोग जमा होते हैं, लोग बोलते हैं पुलिस को बुलाओ। ये सुनकर नील कमरे के अंदर जाता है और अलमारी में के पुरे कपडे नीचे गीरा देता है और सुटकेस भी नीकाल के रखता है। फीर बाहर आकर लोगों को बताता है की मेरी बीबी अपने यार के साथ भाग रही थी। देखो कपड़े भरने के लिए सुटकेस भी नीचे नीकाली है।

नील लोगों को चकमा देकर वहां से भाग जाता है। नील की मम्मी लोगों को बोलती है, अरे नील को छोड़ों मयूरी को अस्पताल ले चलो, सब लोग मयुरी को अस्पताल ले जाके इलाज कराते हैं , तीन दिन बाद मयुरी को घर लाते है।

नील की मम्मी मयुरी को बोलती है तु अपने मामा मामी के पास चली जा नही तो ये राक्षस तुझे मार डालेगा। मयूरी बोलती है ठीक है मम्मीजी मेरी तबियत अच्छी हो जाए तो मंदिर जाकर देवी मॉ के दर्शन करके मामी के पास चली जाऊंगी।

एक दिन मयुरी तैयार होकर हाथ में पुजा की थाली लेकर मंदिर जाने के लिए नीकलती है, उधर से नील दोस्तो के साथ शराब पीकर आता है और बोलता है कहा जा रही है महारानी तैयार हो के। सब दोस्त मयुरी को बुरी नजर से देखते हैं ओर नील पुजा के थाली को फेंक देता है और धक्का देकर बोलता है की जा जल्दी से हमारे लिए पकोड़े बना के ला।

मयुरी पकोड़े बनाने जाती है उधर नील के पास जुआं खेलने के लिए पैसे नहीं रहते तो घर को जुंऐ में लगा देता है और नील बाजी हार जाता है नील और शराब पीता है और बोलता है की अब मेरे पास खेलने के लिए कुछ भी नहीं है तभी मयुरी पकोडे लेकर आती है तब दोस्त बोलते हैं की नील तेरे पास तो बहुत कीमती चीज है, नील हसके बोलता है मेरे पास बोलता है अच्छा , मेरे पास कोनसी कीमती चीज है। दोस्त बोलते मयुरी भाभी है ना, मयुरी अपने कमरे में जाती है और दरवाजा बंद करके घबराकर एक कोने में बैठ जाती है नील दोस्तो के सामने मयुरी की जुऐं में बाजी लगाता है, और खेलते खेलते हार जाता है।

नील और शराब पीता है, और बेहोश हो जाता है। दोस्त मयुरी के कमरे की तरफ आते है। मयूरी कमरे का दरवाजा बंद कर लेती है। दोस्त जोर जोरसे दरवाजा को बजाते हैं, मयुरी ये सुनकर बहुत डरती है, दोस्त बोलते है मयुरी भाभी दरवाजा खोलो, मयूरी दरवाजा नहीं खोलती तो दोस्तो ने दरवाजा तोड़ दिया और मयुरी के पास जाते हैं, मयुरी पीछे पीछे जाती है और बोलती है मुझे हाथ मत लगाना लेकीन दोस्त आगे बढ़ते हैं और मयुरी के दोनों हाथ पकड़ लेते है मयुरी चील्लाती है नील मुझे बचाओ.. नील तो बेहोश होकर नीचे गिर जाता है मयुरी नील नील चील्लाती रहतीं है दोस्त मयुरी के साथ जबरदस्ती करते हैं मयुरी दोस्त

के हाथ पर काटती है और वहां से इज्जत बचाकर भागती है। दोस्त मयुरी के पीछे भागते है रस्ते में अंधेरा रहता है मयुरी एक दीवार के पीछे छुप जाती है, दोस्त धुडते धुडते थक जाते है और फिर वापस चले जाते हैं । मयुरी रातभर दीवार के पीछे छुपी रहती है, फीर सुबह बस आती है मयुरी बस में बैठकर जैसे तैसे इज्जत बचाकर मामी के घर पहुंचती है।

मयुरी मामी को देखकर गले लगती है और जोर जोरसे रोने लगती है। मामी बोलती है "तु अचानक यहां कैसे" मामी मयुरी के आंसु पोंछते हुए बोलती है "क्या हुआ बेटा मुझे बता" मयुरी की आवाज सुनकर मामा भी बाहर आते हैं। मामा बोलते "पहले तो रोना बंद कर बेटा" मामा मामी मयुरी को अंदर घर में ले जाते हैं और बीठाकर पानी पीलाते है।

मयुरी के ससुराल में जो जो हुआ वो सब बताया और मयुरी ने बोला मुझे नील के घर मत भेजना, मैं वहां कभी नहीं जाऊंगी। मामा मामी बोलते है "ऐसे राक्षस के घर हम नहीं भेजेंगे बेटा तु टेंशन मत ले जैसा तु चाहेगी वैसा ही होगा"

मामी खाना बनाके अपने हाथों से मयूरी को खीलाती है। मयुरी बोलती है "मामी मैंने कीतने दीनों से अच्छे-से खाना नहीं खाया और कितनी रातों से अच्छे-से सोई नहीं" मामी बोलती है "आजा बेटा मेरी गोद में सर रखकर सोजा" मामी मयुरी के सरपर प्यार से हाथ फेरती है और मयुरी सो जाती है। मयुरी इतने दिनों बाद चैन की नींद लें रही थी।

दो तीन दिन बाद मयुरी मामा मामी को बोलती है "मुझे नील के घर नहीं जाना मुझे नील से तलाक दिला दो" वह कहते है की अब तो मयुरी को नील के पास नही भेज सकते "मयुरी ने वहां बहुत कुछ सहा है ये तो अच्छा हुआ अपनी बेटी सही सलामत है वरना कुछ कम ज्यादा हो जाता था तो हम जीते जी मर जाते"।

एक दिन मामी बाहर झाड़ू लगाती है तभी नील मामी के सामने आ के खड़ा हो जाता है मामी घबरा जाती है। मामी, मामा को आवाज लगाती है तो मामा बाहर आते हैं और मयुरी कमरे मे रहती है तो मामी मयुरी को बोलती है "कमरे से बाहर मत आना और बाहर से दरवाजा बंद कर लेती है" नील अकड़ के मामा को बोलता है की "मेरी बीबी को बाहर बुलाओ मुझे उसे घर ले जाना है" मामा बोले "अब मयुरी तेरे साथ नहीं आएगी हम मयुरी का और तेरा तलाक कर लेंगे" नील ने शराब पी हुई रहती है नील "मयुरी मयुरी" आवाज लगाता है आस पास के सब लोग देखते लगते हैं।

फीर नील घर में घुसने की कोशिश करता है तो मामा नील को दो थप्पड़ लगाता है। नील बहुत हंगामा करता है तो मामा पुलिस को फोन लगाके बुलाता है। पुलिस आके नील को थाने ले जाते हैं । मामा मामी पीछे से पुलिस थाने पहुंचते है ओर नील के खिलाफ शराब पीकर मानहानी की रीपोर्ट लीखवाते है नील को पुलिस जेल में डाल देती है ,और पुलिस बोलती है दोनों पार्टियों को कोर्ट में आना है। मामा मामी घर आकर मयुरी को सब बताते है तो मयुरी बहुत घबरा जाती है और रोते रोते बोलती है "मुझे नील के साथ मत भेजना नहीं तो मे अपनी जान दे दूंगी" मामी मयुरी को संभालती है और बोलती है अब हम तुझे वहां कभी नहीं भेजेंगे, और गले लगाकर उसे प्यार देती है ।

थोड़े दिन बाद कोर्ट ने नोटिस भेजा की पांच तारीख को कोर्ट में उपस्थित रहना है ।

पुलिस नील को कोर्ट मे लाती है और इधर से मामा मामी मयुरी को कोर्ट ले कर जाते है और जज ने दोनों पार्टियों की बातें सामने रखकर फैसला किया की नील शराब पीकर मयुरी को मारता है। और भी कई केस लगे फीर दोनों का तलाक हो गया मामी बोलती है अब मयूरी इस हैवान के कैद से आजाद हो गई है, अब तू आजादी से जी सकती है।

7. मयूरी के सच्चे प्यार का सफर

एक दिन मयूरी एक कोने में बैठके सोचती रहती है तभी मामी मयूरी के पास आती है और मयुरी का चेहरा दोनों हाथों से पकड़ के बोलती है जो कुछ भी हुआ है उसे भुल जा और लगन और भरोसे के साथ नई जींदगी की शुरुआत कर मैं तेरे साथ हूं ।

मयूरी बोलती " हां मामी मैं कमजोर नही हु। जिस तरह मंदिर में रखी हुई दुर्गा मां की मुर्ति मे शक्ति होती है, उसी तरह मुझमे भी शक्ति है, मै कुछ करना चाहती हूं।

कुछ दिन बाद मयुरी ने सोच लिया अब मुझे ज़िन्दगी में कुछ करके दिखाना है। फिर मयूरी मामा मामी से बात करती है की मेरी पढ़ाई कीसी वजह से अधुरी रह गई थी तो मैं उसे पुरा करना चाहती हुं। मैं आगे पढ़ना चाहती हूं, मामा मामी ने बोला "बेटा तेरा मन जो बोले वो तु कर हम तेरे साथ है हमने एक बार तेरी शादी करके देख लिया, अब तु जो बोलेगी हम वहीं करेंगे और हां तुम पैसे की चिंता मत करना, हमारे लीऐ तु ही सब-कुछ है" मयुरी ने बोला "मैं यहां नहीं पढुगी, मैं इंदौर जाऊंगी और होस्टल में रहके पढ़ाई पुरी करुंगी" उतने में पड़ोस की भाभी आती है और बोलती है "कैसी है मयुरी" मामी बोलती है "ठीक है"

तभी भाभी बोलती है "अरे ये नासमीटे पारस ने एक नहीं दो जींदगी बर्बाद कर दी" मामी बोलती है "मयुरी तु अंदर जा"। मयुरी अंदर जाकर दरवाजा के पीछे खड़ी रहती है मामी भाभी को बोलती है "क्या भाभी आप भी ये सब बातें मयुरी के सामने करना जरूरी है क्या? हां, अब बताओ क्या हुआ"। भाभी - "अरे वो राज की बहन हैं ना सोनिया उसके साथ भी पारस ने ऐसा ही करा और फिर मम्मी पापा के पसंद के लड़की से शादी कर ली"। मयुरी दरवाजा के पीछे से सब सुनती है और अपना मुह हाथ से दबाके रोती है मामी बोलती है "देखो भाभी जो हो गया सो हो गया आज के बाद मयुरी के सामने पुरानी बातें मत करना"

रातको मामी मयुरी के पास बैठ कर सर पर हाथ सहलाते हुए बोलती है "मयुरी तु कीसी बात का टेंशन मत लेना और ऐसी वैसी कोई बात रहे तो मुझे बताना" मयुरी बोलती है "मामी, तु मेरे लिए कीतना कुछ करती है ,शायद सगी मां होती वो भी इतना नहीं करती " मामी बोलती "चल अब सोजा ज्यादा बात मत कर मेरी छपुली सोजा कल मामा तुझे इंदौर छोड़ने जायेंगे" मयुरी को सुलाके मामी अपने कमरे में जाती है और मामा से बात करती है "पैसे की व्यवस्था तो है ना" तो मामा बोलते है "जो जमा पुंजी है वो मयुरी की पढ़ाई में लगा देंगे ताकि मयुरी कुछ बन जाए वो खुद उसके पेरो पर खड़ी हो जाये बस यही दुआ करते हैं भगवान से तु , चिंता मत कर और सोजा"

दुसरे दिन मामा और मयुरी तैयार होकर इंदौर के लिए नीकलते है मयुरी जाते समय मामी के गले लगकर रोती है। मामी बोलती है जा बेटा अपना ध्यान रखना, इंदौर पहुंचकर मामा मयुरी को होस्टल में छोड़कर, सब बातें समझाकर घर के लीऐ नीकल जाते हैं। मयुरी 12 क्लास मे ऐडमिशन लेती है,ओर मन लगाके पढ़ने लगती है। मयुरी ने सोच लिया की "फालतु की बातों में ध्यान नहीं देना, ज्यादा कीसीसे दोस्ती-यारी नही करना बस मुझे पढ़ाई करना है" मयुरी 12 क्लास में अच्छे नंबर से पास होती है और मयुरी मामा मामी को बताती है तो वो खुश हो जाते हैं।

अब मयुरी इंजीनियर कालेज में ऐडमिशन लेने के लिए पी ई टी एक्जाम की तैयारी करती है मयुरी बड़ी लगन से पढ़ाई करती है और अच्छे नंबर से पास होती है और अच्छे इंजीनियरिंग कालेज में CS ब्रांच में ऐडमिशन लेती है तभी मामा मामी मयुरी से मीलने आते हैं मयुरी की भी छुट्टी रहती है तीनों साथ में इंदौर के रजवाड़ा ओर छप्पन जेसी जगह घूमने जाते है। तीनों को बहुत अच्छा लगता है, दुसरे दिन मामा मामी घर वापस चले जाते हैं और मयुरी कालेज जाना स्टार्ट करती है। ज्यादा कीसीसे बात नही करती बस अपने पढ़ाई पे ध्यान देती है।

लेकिन अच्छी लड़की सीधे सीधे चले वो भी कीसीको मंजूर नहीं है ,कॉलेज का एक विनोद नामका लड़का मयूरी के पीछे पड़ा था। लेकिन मयूरी ध्यान नही दे रही थी। फीर भी विनोद मयूरी को परेशान कर रहा था, तो मयूरी ने प्रींसीपल से कम्पलेंट करी। फिर प्रींसीपल ने विनोद को आफिस बुलाकर बहुत डांटा और आगे से तुमने मयूरी को परेशान कीया तो कॉलेज से नीकालने की वार्नींग दी, तो वीनोद के समझ में आ गया की मैंने अगर प्रीसीपल की बात नही मानी तो मेरा करीयर खराब हो सकता है।

मयूरी अब अच्छे-से पढ़ाई कर रही थी। और मामा मामी बीच-बीच में मीलने आते थे तो मयुरी को भी अच्छा लगता था, एक दीन मयुरी अपने होस्टल के कमरे में खड़ी होकर खीडकी में से बाहर देखती है और सोचती है की "कीतना कुछ हो गया मेरे साथ, कीतना कुछ सहा है मैंने" और रोती है लेकिन खुद के आंसु खुद ही पोंछती है, फिर बोलती है "मुझे मामा मामी को कुछ बनके दिखाना है" हे देवी मॉ मुझे इतनी शक्ति दे की मैं दुनिया का सामना करके आगे बढ़ूं। इसी तरह मयुरी चार साल अच्छे से पढ़ाई करतीं हैं और देखते ही देखते चार साल नीकल जाते है और मयुरी अच्छे नंबर से पास होती है फिर एक आय टी कंपनी

में जॉब लगती है मयुरी मामा मामी को बताती है की मुझे जाब लग गई है। मामा मामी खुशी से फूले नहीं समाते।

जॉब लगने बाद मयुरी बहुत खुश थी। मन ही मन सोच रही थी "इतना सब कुछ मेरे साथ हुआ पर मामा मामी के सपोर्ट से मैं इस मुकाम पर आज खड़ी हु, यह अच्छी बात है" जॉब पर जाने के पहले मयुरी मंदिर जाती है, भगवान के दर्शन करते समय मयुरी हाथ जोड़कर बोलती " हे भगवान अब मेरे जींदगी में कोई बखेड़ा पैदा मत करना मैं जैसी भी हुं बहुत खुश हूं और आफीस के लिए नीकलती है"

जैसे ही मयूरी आंफीस में पहुंचती है सब एम्प्लोई मयुरी को देखते ही रह जाते हैं, मयूरी ने पीले रंग की सुंदर सी साडी पहन रखी थी ओर वह उसमे बहुत सुन्दर और आकर्षक दिख रही थी अपने दोनों हाथों मे छाती से लगी हुई फाईल पकड कर मयुरी सबको ऐसे देखकर शरमाके हाथ से कान के पीछे बाल करते हुए अपनी जगह बैठ जाती है। सभी एम्प्लोई के मुँह पे चुप्पी लग जाती है ।

मयुरी अपना काम करती है तभी एक हेंडसम लड़का आफीस मे स्टाइल से बालों मे हाथ फेरते हुए आता है और बोलता है "आज क्या बात है सब ऐसे चूप क्यों बैठे , तो सब लोग मयुरी के तरफ देखते हैं फिर वो हेंडसम लड़का भी मयुरी के तरफ देखता है तो देखता ही रहता है, उसकी वो प्यारी आंखें, क्युट से होंठ, खुल्ले लंबे बाल देखकर हेरान हो गया और फीर पड़ोस में बैठा हुआ दोस्त बोलता है " क्यू अब क्या हुआ भाई" तेरे मुंह पर भी क्यो चुप्पी लग गई, तो सभी एप्लाई हंसने लगते हैं और फीर सभी अपना अपना काम करने लगते हैं।

एक पीयुन मयुरी के पास आ के बोलता है "बॉस ने आपको ऑफीस में बुलाया है" मयुरी बांस के आफिस में जाती है तो सभी एम्प्लोई मयुरी को ही देखते हैं। बॉस मयुरी को कुछ जरुरी बातें समझाते हैं मयुरी बॉस को "ओके बॉस"

बोलके अपनी जगह आ जाती है। थोडी देर बाद 2 बजे जब लंच टाइम होता है सब लोग केंटीन जाते है, मयुरी भी जाती है। तभी मयुरी के पीछे से हेंडसम लड़का सामने आता है और आगे हाथ करके बोलता है "है मेरा नाम शशी है" मयुरी शशि से हाथ नहीं मिलाती है, शशी स्माइल करता है लेकिन मयुरी गुस्से से देखती है। शशी हाथ पिछे कर लेता है शशी बोलता है "आप आयी तो ऑफीस में जान आई, नही तो एकदम मरा मरा लगता था" लेकिन मयुरी बोलती है "देखीए शशीजी जो भी आपका नाम हो मुझे आप परेशान मत कीजिए, मुझे आपमें कोई इंटरेस्ट नही है प्लीज़" और मयुरी वहां से चली जाती है शशी वहीं खड़ा रहकर मुस्कुराता है और बालों में हाथ घुमाते हुए बोलता है "शशीजी.. आज तक मुझे कीसीने इतने प्यार से शशीजी नहीं बोला, क्या बोलती है यार वां वां करते वहा से चले जाता है।,"

एक दिन आफिस में सभी एम्पलाइज काम करते है। ओर मयुरी वाशरुम जाती है, तभी एक ऑफीस एम्प्लोई उठकर मयुरी के सामने आता है मयुरी के कंधे पे कंधा जोरसे मारता है। एम्प्लोई का नाम रवि रहता है, मयुरी कंधे पर हाथ रखकर बोलती है "आह ! तुम देखके नहीं चल सकते" सभी एम्पलाइज मयुरी के तरफ देखते हैं और शशि रवि को गुस्से से देखता है और रवि हसते हुए "सॉरी" बोलके वहां से चला जाता है। शशी मन ही मन बोलता है की "इसने जान बुझकर टक्कर मारी है" शशी दुर से ही मयुरी का ध्यान रखता है।

दो दिन बाद पीयुन ऑफीस मे एक रजीस्टर ले के आता है, पढके सुनाता है और बोलता है की "सभी एम्प्लाइज को सुचीत कीया जाता है की आने वाले संडे को 7 बजे बॉस के घर पे पार्टी रखी है तो सभी एम्पलाइज को पधारना है।" सभी एम्प्लोई खुश हो जाते हैं, मयुरी के आफीस में एक लड़की दोस्त बन जाती है उसका नाम टीना रहता है। टीना मयूरी को बोलती है "कल तु क्या पहनेगी" मयुरी बोलती है "साडी,

तु भी साड़ी पहनना" टीना बोलती है "ठीक है कल मैं तुझे पीकप करुंगी फीर साथ में जाएंगे" मयुरी साडी पहनकर अच्छे-से तैयार हो कर टीना का इन्तजार रहती है। उतने में टीना एक्टीवा ले के आती है और दोनों पार्टी में पहुचते है।

शशी पहले से ही पार्टी में मयुरी का इन्तजार करता है। जैसे ही मयुरी पार्टी में आती है सबकी नजरें मयुरी पे टीकी रहती है। मयुरी की हाईट पर्सनालिटी बहुत अच्छी थी, शशी तो मयुरी को देखके पागलसा हो रहा था शशी का दोस्त शशी को देखके बोलता है "आज तो बीजली गीरने वाली है" मयुरी और टीना बॉस से मीलते है और ख़ाना खाने जाते है, तभी रवि मयुरी के पीछे पीछे आता है ओर आगे होके मयुरी से बात करने की कोशिश करता है, शशी दुरसे सब देख रहा था तभी शशी रवि को रोक के बोलता है "तु मयुरी से दूर रह मयुरी तुझसे बात नहीं करना चाहती" रवि बोलता है "तुझे कैसे पता मयुरी मुझे से बात करना नहीं चाहती ओर अगर मैं तेरी बात नही मानु तो तो तु क्या करलेगा" शशी बोलता है "अगर तु नही माना तो अच्छा नहीं होगा" और शशि वहां से गुस्से से चला जाता है।

फिर भी रवि मयूरी के पीछे जाता है, टीना बोलती हैं "रवि तेरा पीछा कर रहा है चल अपन एक साइड जाके बैठते है" वहां भी रवि पहुच जाता है मयुरी को आइस्क्रीम देता है और बोलता है "आप मुझे बहुत अच्छी लगती हो आप मुझे से दोस्ती करोगी?" मयूरी बोलती है "सॉरी" और वहां से उठ के चली जाती है। फीर भी रवि "मयुरी मयुरी" बोलते हुए पीछे जाता है। तभी मयुरी गुस्से से जोरसे बोलती है "तुम्हें समझ में नहीं आता मुझे तुमसे बात नहीं करना तुम मेरा पीछा क्यों कर रहे हो" मयुरी की आवाज सुनके सभी लोग देखते हैं शशी से रहा नहीं जाता और रवि को घुसे ही घुसे मारते हुए बोलता है "तुझे समझाया था ना मेने लेकिन तेरी समझ में नही आया" रवि के नाक मुंह में से खून आने लगता है, लेकिन शशि रवि को मारता ही रहता है तभी बॉस और दोस्त लोग रवि को छुड़ाने आते है और अस्पताल ले जाते हैं।

मयुरी ये सब देखकर रोती है, तो टीना मयुरी को घर ले जाती है। मयुरी घरपे रोते रोते यही सोचती है की “ये सब मेरे साथ क्यो होता है और बहुत घुस्सा करती है”।

दुसरे दिन मयुरी आफिस आती है तो शशी अपनी जगह पर नहीं दीखता मयुरी टीना से बोलती है मेरी वजह से कल पार्टी में हंगामा हो गया तो मैं बॉस को सॉरी बोलके आती हुं।

मयुरी बॉस के कैबिन के तरफ जाती है तभी मयुरी देखती है की कैबिन में शशी और बॉस बात करते हुए दीखते है। तो मयुरी कैबिन के बाहर ही रुकती है। बॉस शशी को बोलते हैं की “मुझे पता है रवि ने मयुरी के साथ गलत कीया है लेकिन रवि को इतना मारना भी ठीक नही था अगर उसे कुछ हो जाता था तो तुम क्या करते, इस की वजह से तुम्हारी जॉब जा सकती है” शशी बोलता है “मुझे जॉब की चिंता नहीं है सर ,मयुरी को ऐसे कोई भी परेशान करेगा तो मैं देख नहीं पाऊंगा इस लिए मैं यह जॉब नहीं करना चाहता, सर मैं ये जॉब छोड़ना चाहता हूं” बॉस बोलते हैं की “ये सब तुम क्यों कर रहे हो”

शशी चुपचाप खड़ा रहता है कुछ भी नहीं बोलता बॉस बोलते शशी “क्या बात है मुझे बताओ” शशी हीम्मत करके बोलता है की “सर मैं मयुरी से बहुत प्यार करता हूं। भलाई मयुरी मुझसे सीधे मुंह बात तक नहीं करती, फिर भी मैं मयुरी से प्यार करता हूं और करता रहुगा” बाॅस बोलते हैं “ओ! तो ये प्यार का मामला है मेरे जवानी के टाइम मैं भी तुम्हारे जैसा ही था, मुझे अच्छा लगा की तुम्हारे दिल मे मयूरी के लिए इतना प्यार है , और उस प्यार के लिए तुम इतने दिवाने हो, ये दीवानापन मुझे अच्छा लगा, ठीक है अब तुम जाओ और अपने जाब पे ध्यान दो”। शशी बोलता है “ओके बॉस”

ये सब बातें मयुरी कैबिन के बाहर से सुनती है जब शशी कैबिन के बाहर आता है तो मयुरी छुप जाती है। शशी जाने के बाद मयुरी बॉस के कैबिन में जाती है और बॉस को बोलती है "सॉरी सर मेरी वजह से पार्टी में हंगामा हुआ" बॉस बोले "कोई बात नहीं मयुरी ये सब तो होता रहता है तुम टेंशन मत लेना बस एक बात बोलना चाहता हूं , शशी बहुत अच्छा लड़का है उसे खोना मत और अब अपने काम पे ध्यान दो" मयुरी बोलती है "ओके सर"

मयुरी अपने जगह आती है और टीना को सब बातें बताती है तो टीना बोलती है तुझे शशी को थेंक यु बोलना चाहिए। थोड़ी देर बाद लॅच टाइम होता है तो मयुरी टीना के साथ केंटीन जाती है। वहां शशी रहता है टीना मयूरी को टल्ला मारके इशारा करती है ,तो मयुरी हीम्मत करके शशी के पास जाती है तो शशी मयुरी को देखके साइड से नीकल जाता है, मयुरी टीना को बोलती है "देखा कीतना अकड़ रहा है" टीना बोलती है "अरे तो तुने भी उसके साथ अच्छा व्यवहार नही करा था ना अब तु जा और बोल दे" मयुरी शशी के सामने आती है और बोलती है "आपने मेरे लिए जो भी करा उसके के लिए थेंक यु" शशी बोलता है "क्या? क्या?!" मयुरी गुस्से से "थेंक यु" बोलती है। शशी मयुरी के आंखों में देखके बोलता है "थेक यु बोला ये सब तो ठीक है लेकिन मेरा प्यार तूझे दीखाई नहीं देता" मयुरी जीतना तु मुझे बुरा समझती है उतना मैं हूं नही।

"तु मुझे ना चाहे पर मैं तेरे दीवानेपन के नशे में जीता हूं

तु हां कर या ना कर मैं तुझसे बेइंतहा प्यार करता हूं।

मैं तेरे प्यार का जुनून हमेशा महसूस करना चाहता हूं

एक दिन तु मेरे प्यार के सामने झुकेगी, ये मेरा दिल कहता है,"

मयूरी ये सब चुपचाप सुनती है मगर अब कीसी पे विश्वास नहीं कर पाती और बिना बोले वहां से चली जाती है।

8. पत्थर दिल से फूल बनना

एक दिन आफिस की छुट्टी होने के बाद शशी मयुरी को देखते-देखते नीकलता है। टीना मयूरी को बोलती है "तेरा दीवाना देख रहा है" मयुरी बोलती हैं "मुझे पता है तु घर चल"। मयुरी चुपचाप नीचे देखके चलती है, तभी शशी मयूरी के सामने आता है तो मयूरी डर जाती है फिर शशी बोलता है तु मेरे बारे में ही सोच रही थी ना।

मयूरी बोलती मुझे और कोई काम नही है क्या जो मैं तुम्हारे बारे में सोचू और तुम मेरे पीछे क्यों पड़े हो मैं ही एक लड़की नही हूं और भी लड़की है इस दुनिया है उनके पीछे जाओ।

शशी दील पे हाथ रखके बोलता है "**क्या करूं इन आंखों का जिसे तेरे शिवा कोई जचता ही नही।**" और शशि हंसते हुए मयूरी को देखते देखते बाईक उठाता है और घर के लिए नीकल जाता है। तभी टीना मयूरी से बोलती है तेरा आशिक तो बड़ा चीपकुटाइप का है। शशी रस्ते में मयूरी के बारे में ही सोचता है और मुस्कुराते हुए जाता है, तभी रस्ते में सामने से गाड़ी आती है और शशि का एक्सीडेंट हो जाता है। आस पास के लोग शशी को हॉस्पिटल लेके जाते हैं। दोस्त को पता चलता है तो, दोस्त भी आता है और डॉक्टर बताते हैं की पेर में फेक्चर हो गया है।

दोस्त शशि को बोलता है कहा ध्यान था तेरा, और गाड़ी चलाते चलाते क्या सोच रहा था ।

शशी बोलता है "कुछ नही यार तु बैठ जा।"

दोस्त बोलता है "दोस्त मानता है तो बता दे।"

शशी "अच्छा बाबा बताता हु",

शशी ऑखे बंद करके दोस्त को बताता है ,

"मैं मयूरी के बारे में ही सोच रहा था, क्या करूं यार मेरे दिल, दीमाग पे मयुरी ऐसी छा गयी की उसके सिवा मुझे कुछ दीखाई नहीं देता। आंखें बंद करता हुं तो सामने आती है,और आंखें खोलता हूं तो गायब हो जाती है। ये क्या हैं यार,"

दोस्त बोलता है "ये प्यार है! भाई चल अब तु आराम कर।"

दोस्त शशि के मम्मी पापा को फोन करके बताता है, तुरंत ही मम्मी पापा शशी को देखने आते ह, ओर बोलते है ये कैसे हो गया बेटा और मम्मी रोने लगती है तभी शशी बोलता है "अरे कुछ नहीं मम्मी बस पेर में फेक्चर है मैं जल्दी ही ठीक हो जाऊंगा"। तभी दोस्त सभी के लिए चाय लाता है और चाय पीते पीते मम्मी पापा और दोस्त शशी के साथ हसते हसते बातें करते हैं , तभी मम्मी शशी को बोलती है "अब तो शादी करले बेटा कोई पसंद हो तो मुझे बता उससे मै बात करूंगी" शशी हसते हुए बोलता है "जरुर बताऊंगा मम्मी बस सही समय आने दे"।

उधर टीना मयुरी को बताती है की "शशी का एक्सीडेंट हो गया और शशि हॉस्पिटल में है"। वैसे ही मयुरी सब काम छोड़के हॉस्पिटल आती है, शशी को सही सलामत देखके मयुरी दीवार के सहारे खड़ी रहती है और आंखें बंद कर के लंबी लंबी सांसे लेके रोने लगती है।

तभी शशी मयूरी को देखता है और बोलता है मयुरी तु यहां ,फिर मयुरी शशि को देखते देखते पास आती है और रोने लगती है शशी बोलता है "मयुरी मैं ठीक हूं बस छोटा सा फेक्चर है जल्दी ठीक हो जाऊंगा"।

मम्मी बोलती है "ये कौन है बेटा" शशी - "मम्मी ये मयुरी है मेरे आफिस में जॉब करती है और तु पुंछ रही थी ना मम्मी, कोई तुझे पसंद हो तो बताना मैं मयुरी को पसंद करता हूं और शादी करना चाहता हूं लेकिन मयुरी मुझे पसंद नहीं करती"। मम्मी मयूरी को बोलती है "मेरा बेटा कीतना हेंडसम है क्या कमी है मेरे बेटे मे"। मयुरी कुछ भी नहीं बोलती और वहा से चली जाती है।

घर आने के बाद मयुरी रोते रोते बहुत सोचती है "शशि कीतना अच्छा लड़का है और शशी ने अपने मम्मी पापा के सामने मुझसे शादी करने की बात करी। कीतनी डेरींग रखता है।

एक पारस था धोखेबाज जीसके प्यार में मैंने अपना सबकुछ सोप दिया था, फीर भी आखीर में धोका ही मीला। एक नील था जो अपने ही पत्नी को जुंऐ में लगाकर शराब और जुएं का शौक पूरा करने के लिए मेरी बाजी लगा दी। इन सबसे हटकर शशी एकअच्छा इंसान है। आज तक उसने मुझे छुआ भी नहीं। ये दिल भी कीतना अजीब है अभी तक मैं कीसी लड़के पर भरोसा नही कर पा रही थी , लेकिन अब शशी कीतना अच्छा लगने लगा है । शशी मे कोई तो बात है की मेरे लिए सबसे लड़ पड़ता है। मुझे शशी को अपने पीछले जींदगी के बारे में बताना होगा।" ये सब बातें मयुरी टीना से भी शेअर करती है।

टीना - "जब शशी अच्छा होकर आफिस आएगा तो मैं शशी को बोलती हु की आॉफीस के बाद मयुरी आप से मीलना चाहती है।"

शशी बहुत खुश होता है। मन ही मन मुस्कुराता है । मयूरी से मीलने के लिए बेकरार हो रहा था। आॅफीस खत्म होने के बाद जब दोनों मीलते है तो शशी एक जैसे मुस्कुरा के मयूरी को देखता ही रहता है।

मयूरी शरमाके बालों को कान के पीछे करते हुए बोलती है , मुझे आपसे कुछ कहना है।

मयुरी शशी से बोलती है "मै आपको मेरी पीछले जींदगी बारे में बताना चाहती हुं। मेरे साथ बहुत कुछ हुआ है। आप बहुत अच्छे इंसान हो मैं आपके लायक नहीं हुं इसीलिए मैं आपसे दूर दूर रहती थी"

शशी - "मुझे तुम्हारे पास्ट से कोई फर्क नही पड़ता मुझे सिर्फ तुम में आज दीखता है और मेरे प्यार में भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं शादी के बाद हर ख़ुशी देना चाहता हूं। मैं तुम्हारे कल को भुलाना चाहता हूं"

मयूरी शशी की बाते सुनकर शशी के पास आके शशी के आंखों मे देखती रहती है। शशी मयूरी को अपने बांहों में लेकर माथे को चूमता है और मयुरी को बोलता है - "आय लव यू मयुरी"

मयूरी भी शशी को आय लव यू बोलती है और शशि मयुरी के होंठों को चुम लेता है फिर शशी मयुरी को बोलता है

"मेरे दिल ने तुम्हारे दिल को छुआ है कभी धोखेबाजी मत करना" मयुरी शशि को कसके पकड़कर बोलती है "नही , नही ऐसा कभी नहीं होगा"

फिर शशी मयूरी का हाथ पकड़के नीचे बीठाता है और खुद भी पास में बैठता हैं।

शशी-और तुम्हारे बारे में बताओ मयूरी,

मयूरी - “मैं कल्याणपुर की रहने वालीं हुं, मेरी मम्मी शांत होने के बाद मामा मम्मी मुझे भोपाल लेके आये थे और उन्होंने ही मेरी परवरिश करी है”

शशी - “तो तुम भोपाल में रहती थी, मेरे मामा भी भोपाल में ही रहते हैं मैं गर्मी के छुट्टी में मामा के घर जाता था वहां पड़ोस में ही मेरा दोस्त रहता है। हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं।”

मयूरी -”अच्छा अब अपने बारे में बताओ।”

शशी - “मैं अपने मम्मी पापा का एकलोता लड़का हु, और तुम्हारे ऑफीस मे जॉब करता हुं ,घरका बहुत बड़ा मकान है ,मम्मी मेरी बहोत अच्छी दोस्त है, मेरे पापा सरकारी अफसर है ओर हम इन्दोर में रहते हैं और अभी तुम्हारे सामने खड़ा हूं। ऐसे बहुत देर तक दोनों बातें करते रहे और फीर शशी मयुरी को घर छोड़के अपने घर चला जाता है।”

शशी घर पे पहुंचकर मम्मी को बताता है “मयुरी मुझसे प्यार करती है मम्मी हम दोनों शादी करना चाहते है। तु पापा से बात करना”

मम्मी बोलती है “हां बेटा मैं पापा से बोत करूंगी। लेकिन तु कल मयूरी को मुझसे मीलाने के लीऐ घर लाना।” शशी अपने कमरे में जाते हुए बोलता है की “हां मम्मी”,

शशी दुसरे दिन ऑफिस जाता है तो सामने मयूरी टकराती है मयूरी के हाथ में फाईल रहती है , मयूरी छाती से फाईल लगाकर शरमाती है शशी मयूरी के और नजदीक जाके बोलता है मम्मी ने श्याम को मीलने के लिए घर पे

बुलाया है चलेगी ना जान,और रोमांटिक होता है।

मयूरी शशी को फाईल से धक्का देती है शरमाके हंसते हुए हां बोलके वहा से नीकल जाती है।

शशी दिल पर हाथ रखकर बोलता है हाय!, ? ये मयुरी क्या चीज़ है जो अपने तरफ खींचती ही रहती है।

ऑफीस छूटने के बाद शशी बाहर बाईक पे बैठकर मयुरी का इन्तजार करता है। उतने में मयूरी आती है और गाड़ी पे बिठाकर घर लेके जाता है। घर मे शशी मयूरी को मम्मी से मीलाता है। मयूरी मम्मी के पेर पड़ती है।और हाथ जोड़के नमस्ते करती है।

शशी की मम्मी बोलती है बैठो बेटा ,तुम्हारे घर मे कौन-कौन हैं और इधर उधर की बातें करके हास्य विनोद करते हैं।

मम्मी बोलती मैं तुम्हारे लिए चाय बनाके लाती हूं तब तक शशी तु मयूरी को घर दीखा दे, शशी मयूरी को घर दीखाने ऊपर लेके जाता है और घर देखते देखते मयूरी का पेर साडी के नीचे आता जाता है ,तो मयूरी शशी के बाहों में गीर जाती है, शशी मयूरी को बाहों में पकड़के बालों को चेहरे से हटाता है, और मयुरी शरमाके नीचे देखती है तभी शशी मयूरी के चेहरे को ऊपर करके आंखों में देखता है , दोनों एक दूसरे के आंखों में देखकर उत्तेजित होते हैं और गले लगकर बहुत प्यार करने लगते हैं।

मयुरी शशी को प्यार करते - करते पुछती है की ये क्या हो रहा है ,

तो शशी बोलता है की ये प्यार की आग दोनों तरफ लगी है तो ऐसा ही होता है ।

मेरी तो एक पल के लीऐ भी तुझसे दूर जाने की इच्छा नहीं होती, बस तेरे पास ही रहू ,तभी शशी की मम्मी आवाज लगाती है तो दोनों नीचे आते है। सोफे पर बैठकर तीनों चाय पीते हैं।

शशी की मम्मी मयूरी के पास जाकर हाथों में गोल्ड के कड़े पहनाती है और बोलती है ये हमारे खानदानी के कड़े है इसे कभी उतारना मत, तुम्हारा दोनों का प्यार ऐसे ही बना रहे। ऐसा बोलकर मम्मी मयूरी के गले मीलती है और बोलती है अब जा शशी मयूरी घर छोड़के आजा।

मयूरी घर जाकर अपने बेड पे छाती से तकीया लगाकर सोचती है , शशि में कुछ तो बात है जो मुझे इतना प्यारा लगता है, शशी की ये दीवानगी देखकर मैं उसके प्यार में पागल हो रही हूं। और तकीये को हाथों से दबाकर ओ शशी, ओ शशी बोलके सो जाती है।

एक दिन शशी मयुरी को बाईक पे बीठाकर बाहर ले जाता है उस समय इन्दोर में बहुत थंड रहती है बाईक पर मयूरी शशी को कसके पकड़ती है। दोनों एक कैफे में पहुंचते है ओर शशि मयूरी के तरफ देखता है तो मयुरी थंड से कांप रही थी, शशी ने तुंरत अपना जॉकीट नीकालकर मयूरी को पहनाया। शशी मयूरी का हाथ पकड़कर चेयर पे बीठाता है खुद भी सामने बैठता है बीच में टेबल रहती है शशी अपने हाथों से मयूरी के दोनों हाथों को पकड़के टेबल पर रखता है और अपने हाथों से घीसकर गरम करता है मयुरी शरमाके हसती है , शशी बोलता है ये है हमारे इन्दोर की गुलाबी थंड है कैसी लगी। दोनों एक-दूसरे के आंखों में देखकर आंखों आखों में रोमांस करते हैं और बातें करते हैं ।

मयुरी बोलती है कुछ अपने बारे मे बताओ।

शशी बोलता है “हा सेनोरिटा मैं इंदौर में रहता हूं, मैं मम्मी पापा का अकेला लडका हुं मम्मी मेरे बहुत क्लोज है मम्मी पापा मुझसे बहोत प्यार करते हैं ,और अभी आपके सामने खड़ा हुं। अब तुम बताओ”

मयुरी मामी को फोन लगा के शशी के बारे में सब कुछ बताती है ओर वो बहुत खुश हो जाती हैं मामी मयुरी से बोलती है, मैं तेरे मामा को लेके

जल्दी ही इन्दोर आती हुं।

दो दिन बाद मयुरी के मामा मामी शशी के मम्मी पापा से मिलने आते है सब मिलके सगाई की तारीख पक्की करते हैं। शशी और मयुरी सगाई के लिए अपने पसंद के कपड़े खरीदते हैं और एक दूसरे के पसंद की रींग भी लेते हैं। सब लोग सगाई की तैयारियां करते हैं।

9. आखरी मौड़

फाइनली सगाई का दीन आ गया, शशी और मयुरी रींग पहनाने का कार्यक्रम पुरा करके स्टेज पर बैठते है। सब दुर खुशी का माहोल रहता है। स्टेज पर मिलने आनेवाले लोगों की पहचान शशी मयुरी से करवाता है उतने में शशी एक दोस्त का हाथ पकड़ कर सामने लाता है और मयुरी से मीलाता है।

“ये मेरे बचपन का दोस्त हैं ये भोपाल में मेरे मामा के घर के पास रहता है।” दोस्त को देखकर मयुरी के पेरो तले से जमीन खसक जाती है। क्योंकि वो दोस्त पारस रहता है।

मयुरी सगाई का कार्यक्रम जेसे तेसे निपटाती है और शशि को बोलती है “मैं बहुत थक गई हूं, थोड़ा आराम कर लेती हुं” जब मयुरी अपने कमरे मे जाती है तो दरवाजा बंद करके बेड पर लेटकर बहोत रोती है और खुद से ही बोलती है “है भगवान मेरे नसीब में क्या लिखा है कीतने दीनों बाद मेरे जीवन में शशी के कारण खुशी आयी है, तो पारस शशी का दोस्त नीकला” अब मैं क्या करूंऔर शशि को क्या बोलू ये बातें सोचके मयूरी अपना सर पकड़ के रोती है।

दुसरे दिन मयुरी ऑफिस आती है शशी को मयुरी का चेहरा उतरा हुआ दीखाता है शशी पुछता “क्या बात है? मयुरी तबीयत ठीक नहीं लग रही है क्या?” मयुरी बोलती है “नही नही, ठीक है। बस थोड़ीसी थकान है” शशी बोलता है “कोई काम हो तो मुझे बताना” और दोनों अपना अपना ऑफिस का काम करते है।

जब लंच टाइम होता है तो शशी मयुरी को बोलता है “चल मयूरी आज बाहर चाय पीने चलते हैं” मयूरी बोलती है नही। शशी मयुरी का हाथ पकड़कर ले जाता है दोनों साथ में बैठकर चाय पीते हैं उतने में पारस वहां आता है ओर शशी से गले लगाता है और बोलता है “आजा बैठ जा मैं चाय मंगाता हूं।” शशी और पारस इधर उधर की बातें करते हैं फिर शशी बोलता है मैं वाशरूम जाके आता हूं तभी पारस मयुरी को दैखता है कुछ बोलने की कोशिश करता है लेकिन बोलने की हीम्मत नहीं होती और मयूरी के पर्स में लेटर रखता है। उतने में शशी आता है और पारस चाय पीके बोलता है “मैं नीकलता हूं, बाद में मीलते है”

मयुरी घर जाकर लेटर पढ़ती है लेटर में लिखा रहता है की “मयुरी मुझसे मीलने सिर्फ एक बार आना, मुझे तुझसे कुछ कहना और कुछ बताना है। मैं नहीं चाहता की शशि को कुछ भी पता चले। मैं होटल में रुका हु, रुम नंबर 16 । तुम्हारा आफीस छुटने के बाद मै इंतज़ार करूंगा” मयूरी शशी को खोना नहीं चाहती थी इसलिए पारस से मीलने जाती है, शाम को ऑफिस छुटने के बाद, मयुरी शशि को बताये बगैर ही पारस से मीलने जाती है। तभी शशी मयूरी को जल्दी में टैक्सी में बैठते हुए देखता है तो परेशान होता और शशि मयुरी के पीछे बाईक से जाता है मयुरी टैक्सी से उतरकर होटल के रुम में पहुंचती है ।

शशी मयूरी के पीछे जाता है रुम के बाहर खड़ा रहता है, रुम का दरवाज़ा खुला रहता है ।

मयूरी - “क्यों बुलाया मुझे”

पारस - “मुझे तुझसे कुछ कहना है”

मयुरी - “मुझे धोखा देके तुम्हारा दिल नहीं भरा”

पारस - “हा मैंने तुम्हारे साथ बहुत ग़लत करा, मैं हमारे प्यार के लिए मेरे मम्मी पापा से मै लड़ नहीं पाया। लेकिन तुम्हारे जाने के बाद मैं भी जींदगी में कभी सुखी नही रहा।

तुम्हारी शादी हुई तो मैं तुम्हे भुला नहीं पा रहा था। मेरी पागलों जैसी हालत हो गई थी, रात दिन शराब पीता था । तुम्हें भुलाने की कोशिश में मैंने सोनिया के सहारा लीया था। मुझे पता है मैंने जो भी कीया वो सही नही करा। मुझे इसीका पछतावा है। मुझे रात मे नींद नहीं आती, मैं दीनभर बेचैन रहता हूं मुझे कही भी चैन नही मिलता है। इसलिए मैंने सोचा की जींदगी में जब भी मयूरी मुझे मीलेगी तो मैं मॉफ़ी जरुर मागूंगा इसलिए जब तुम्हें मैंने देखा तो ऐसा लग रहा था की अब मुझे चैन मीलेंगा ।

तभी पारस मयूरी के पास आता है और हात जोड़कर बोलता है मुझे मांफ कर दो मयूरी प्लीज़”

मयूरी बोलती है “मेरे पास मत आना”

मयूरी- “तुम्हारे वजह से मुझे बहुत कुछ सहना पड़ा, तुमने जो मेरे साथ कीया इसके लिए मैं तुम्हें कभी माफ नहीं कर सकती। कहा तुम और कहा शशी कीतना फर्क है तुम दोनों में! क्यों आये हो वापस हमारे जिंदगी में? मुझे शशी के साथ घर बसाने दो, चले जाओ हमारे जिंदगी से शशि और मैं एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। जबसे शशी मेरी जींदगी में आया है तबसे मैंने जाना है सछ प्यार क्या होता है। प्यार करनेवाले के

लिए कोई अमीर और गरीब नही होता बस प्यार तो प्यार होता है ये सब बातें मैंने शशी से सीखी है। शशी मुझपर इतना भरोसा करता है की जीतना राम ने सीता पर भी नहीं किया था । राम ने तो धोबी की बातो मे आकर सीता का त्याग कर दिया था, लेकिन शशि ने मेरे पीछले जिंदगी के बारे मे जाने बगैर मुझसे प्यार कीया और शादी करना चाहता हैं। मेरे लिए तो शशी राम से भी बढ़कर है। मेरे रोम रोम में शशी बसा है। मैं उन्हें पुजती हुं। उन्हींसे मैने प्यार का सही मतलब जाना है।

तुम क्या जानो, प्यार क्या होता है।

शशी बहुत अच्छा इंसान है" ये सब शशी बाहर खड़े होकर सुन रहा था। शशी के दिल में मयूरी के लिए प्यार और विश्वास ओर भी बढ़ गया । पारस मयूरी के पास आने की कोशिश कर रहा था तभी मयुरी रोते रोते बोलती है "दूर रहो मुझसे मेरे पास मत आना" लेकिन पारस मयुरी के पास आता है तो मयुरी पारस को थप्पड मारती है ये सुनकर शशी से रहा नहीं जाता और कमरे मे आता है। शशी पारस को देखके बोलता है "पारस तु ,काश तु मेरा बचपन का दोस्त नहीं होता तुने जो मयूरी के साथ कीया उसके के लिए मैं तेरा मार मारके मु तोड़ देता। धोखेबाज हैं तु, मयुरी ने तो तुझसे सच्चा प्यार कीया था और प्यार करना कोई गुनाह नहीं है इसमें मयूरी की कोई ग़लती नही है। आज के बाद हमें कभी जींदगी में अपनी शक्ल मत दिखाना लेकिन तेरे कारण जो मयूरी को बहुत कुछ सहना पड़ा इसके लिए एक थप्पड़ तो बनता है।"

शशी पारस को जोरसे "एक थप्पड़ मारता है और बोलता है। "मयूरी के लिए ये मेरे तरफ से ये थप्पड़ और ले, चले जा यहां से कभी ये मनहूस शक्ल मत दिखाना" । शशि मयुरी के कंधे पर हाथ रखकर घर ले आता है। शशी घरपर मयूरी के साथ शांति से बैठकर बात करता है "अब तु कीसी बात का टेंशन मत लेना सब कुछ भुलाकर हमें शादी कर लेना चाहिए" मयुरी शशि का हाथ छोड़ कर बोलती है "अभी नहीं, तुमने मेरा आधा सच जाना है अभी आधा सच

और बाकी है। ये सच जानने बाद तुम् मुझे छोड़ भी सकते हो लेकिन मैं झूठ के सहारे ज़िंदगी की नई शुरुआत नहीं कर सकती"

मयुरी सच बताती है "पारस ने मुझे धोका देने के बाद मामा मामी मेरी शादी नील से करवा देते है नील के घर जाने के बाद वहां मेरे साथ ।।।।।।। यह सब कुछ होता है ,तब भी नील का दिल नहीं भरता तो नील मुझे अपने शोक के खातिर दोस्तो के सामने जुंऐ में बाजी लगाता है।और हारने पर मुझे दोस्तो के हवाले करके खुद शराब पीकर बेहोश हो गया, फीर मैं बड़ी मुश्किल से अपनी इज्जत बचाकर मामी के पास वापस आ गई।

मामा मामी के सपोर्ट से मुझे नई जींदगी मीली है फीर यहां आके मेने अपनी पढ़ाई कंप्लीट करके यहां जांब करी, और फ़िर आप मेरे ज़िंदगी में आए । यही मेरी सच्चाई है , मयुरी रोते रोते बोलती है "क्या तुम इसके बाद भी मुझे अपनाना चाहते हो" शशी मयुरी के आंसु पोंछते हुए बोलता है "मेने पहले भी बोला था और आज भी बोलता हु मुझे तुम्हारे पास्ट से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं तुमसे पहले से भी ज्यादा प्यार करता हूं और करता रहुगा" शशी मयूरी को बाहों में ले के बोलता है "काश तु मुझे पहले मील गई होती तो ये सब तुझे सहना नहीं पड़ता अब जो भी हुआ सब भुल जा मैं तुमसे से शादी कर के तुझे हर सुख देना चाहता हूं"।

शशी हसते हुए मयूरी से बोलता है मम्मी पापा को खीलाने के लिए एक लड़का चाहिए मयूरी शरमाती है और शशी को प्यारसे मारते हुए बोलती है "तुम्हें कैसे पता की पहले लड़का ही होगा" शशी बोलता है "चलो ऐसा करते हैं लड़की हुई तो तुम्हारे जैसे होना चाहिए" मयुरी बोलती है "और अगर लड़का हुआ तो बीलकुल तुम्हारे जैसा होगा" दोनों एक दुसरे के गले लगके आय लव यू बोलते है।

थोड़े दिन बाद शशी और मयुरी शादी सबकी सहमति से होती है। सुहागरात के दिन शशी अपने हाथों से बेड को सजाता है। रातको जब मयूरी कमरे में जाती है तो दरवाजा के बीच में वेलकम मयूरी लीखा रहता है ,और बेड फुलों से सजाया रहता है। मयूरी ये सब देखके बहुत खुश होती है।

थोड़ी देर बाद शशी कमरे में जाता है तो मयूरी बेड पर चुन्नी से मुंह ढक्कर बेठी रहती है। और साईड पे एक टेबल पर दुध का गीलास भरा रहता है और एक टोकरी फुलोंसे भरी रहती है, शशी टोकरी के फुल दोनों हाथों से उठाकर मयूरी के ऊपर डालता है। फिर शशि बेड पे बैठकर मयूरी का घुंघट उठाकर बोलता हैं।

।।ओ हो मेरी जान कीतनी खुबसूरत लग रही है।।

।।की तेरे आगे तो चांद भी फीका लग रहा है।।

फिर गले लगाकर बोलता है आज तु पुरी तरह से मेरी हो गई। मयूरी मन ही मन मुस्कुराती है और दोनों हमेशा के लिए एक दूसरे के हो जाते हैं।

दो दिन बाद स्वीटजरलैंड हनीमून मनाने जाते हैं, वहॉ पे साथ साथ में घुमाना और रातको होटल के रूम आके एक दूसरे के साथ समय बिताना। ऐसे एक एक करके प्यार के सभी पल को यादगार बनाते हैं। खुब एन्जॉय करा, और फ़िर घर आते हैं।

थोड़े दिन बाद मयुरी प्रेगनेंट होती है शशी और मयुरी बहुत खुश होते हैं शशी के मम्मी पापा भी बहुत खुश होते है । और एक प्यारा-सा लड़का होता है लड़का बिल्कुल शशी जैसे दीखता है। अब मयूरी, शशी, और छोटा बच्चा और शशि के मम्मी पापा पुरी फेमिली प्यार से रहते है और सच्चा प्यार की जीत होती है।